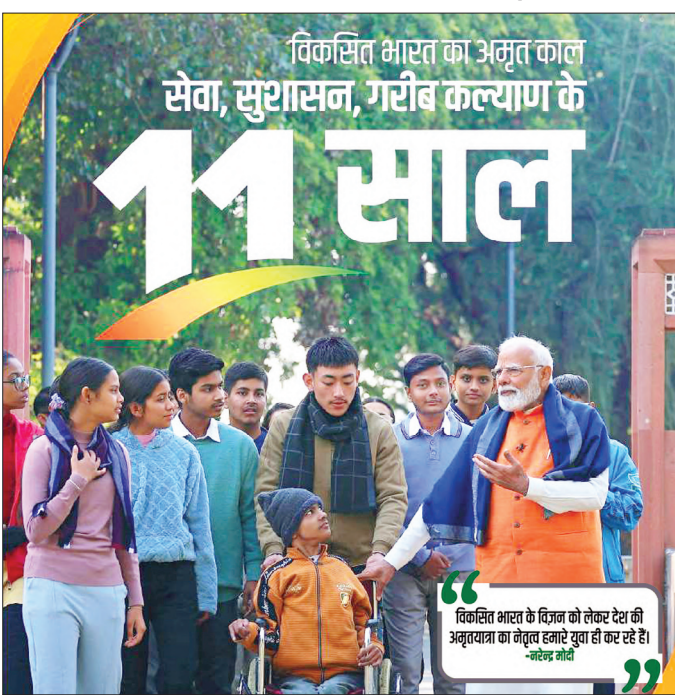


राजग सरकार कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा

सुशासन से विभिन्न क्षेत्रों में आया बदलाव प्रगति के साथ जीवन में सुगमता बढ़ी

नई दिल्ली 09 जून (एजेंसियाँ)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आयी है।

श्री मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राजग सरकार के केन्द्र की सत्ता में आने के बाद श्री मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री के रूप में



उनके कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने के अवसर पर श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, सबका साथ, सबका विकास, सबका

आवाज भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा व विश्वास के साथ विकसित

विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत से प्रेरित होकर राजग सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। श्री मोदी ने कहा है कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक

जेपी नड्डा ने गिनाई मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियाँ, कहा

25 करोड़ गरीबी से बाहर अनुच्छेद 370 अलविदा



नई दिल्ली 09 जून (एजेंसियाँ)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को नरेन्द्र मोदी सरकार को 'पारदर्शी और भविष्यदर्शी' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत में राजनीति की संस्कृति में आमूल-चूल परिवर्तन किया है। श्री नड्डा ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर यहां पार्टी मुख्यालय में विशेष रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने निराशा के वातावरण को दूर कर विकसित भारत की मजबूत आधार रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले की सरकार में भ्रष्टाचार का बोलबाला था और वह नकारात्मक एजेंडा के साथ चल रही थी। श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)

की सरकार ने नकारात्मकता को दूर किया। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले की राजनीतिक-संस्कृति में सत्ता में बने रहने के लिए तुष्टिकरण और समाज को खंडित करने की सोच हावी थी। श्री मोदी ने जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ सरकार के कामकाज के रिपोर्ट कार्ड के आधार पर शासन की राजनीति का मानक बनाया। उन्होंने कहा, हम जो काम कर रहे हैं, उसे जनता के सामने रखते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम पिछले 11 वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में कई साहसिक और ठोस कदम उठाये गये हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाने का उल्लेख करते हुए कहा कि

पाकिस्तान को दिया जवाब, पीएम मोदी ने बदली राजनीति की संस्कृति

मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल अभूतपूर्व विकास का युग : राजनाथ

नई दिल्ली 09 जून (एजेंसियाँ)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए इसे 'अभूतपूर्व विकास' और 'युगांतकारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन' का युग बताया है। श्री सिंह ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण ने देश को दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में आत्मविश्वास के साथ खड़ा होने में सक्षम बनाया है।

आईईडी विस्फोट में एसपी शहीद, कौंटा टीआई घायल



सुकमा, 09 जून (एजेंसियाँ)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार सुबह नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर पुलिस अधिकारी की गाड़ी को उड़ा दिया है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) आकाश राव गिरफ्तार शहीद हो गए। वहीं एसडीओपी व टीआई समेत दो लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया, कौंटा-गोलापल्ली मार्ग पर नए कैप की स्थापना कर पुलिस अधिकारी लौट रहे थे।

एसपी गिरफ्तार को कौंटा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। विस्फोट में कौंटा के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) और सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए। यह विस्फोट 10 जून को सीपीआई (माओवादी) द्वारा बुलाए गए भारत बंद से पहले सुरक्षा बलों को बाधित करने के प्रयास का हिस्सा था।

राज्यसभा से पत्र के बाद सुप्रीम कोर्ट ने रोकी जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ जांच

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियाँ)।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यसभा की तरफ से मिले एक पत्र के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव के खिलाफ जांच को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट को राज्यसभा सचिवालय से मिली एक चिट्ठी में कहा गया कि यह मामला अब संसद के अधीन है। इस आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जांच रोक दी। दरअसल राज्यसभा द्वारा भेजे गए पत्र में यह कहा गया था कि इस तरह की किसी भी कार्यवाही के लिए राज्यसभा के सभापति के पास अधिकार है। इसलिए राष्ट्रपति और संसद को ही अब इस मामले में निर्णय लेने का विशेषाधिकार है।

फिर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर अपनी इन-हाउस जांच रोक दी और कॉलेजियम को इसकी जानकारी दी। पूरा मामला 8 दिसम्बर, 2024 को विश्व हिन्दू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित कार्यक्रम का है जहाँ उन्होंने मुस्लिमों में कट्टरपंथ और रूढ़िवादिता को लेकर कुछ बातें कही थीं। जस्टिस यादव ने यूनिफार्म सिविल कोड की वकालत करते हुए मुस्लिम समुदाय में मौजूद ट्रिपल तलाक और हलाला की आल-तेचना भी की। इतना ही नहीं उन्होंने बहुसंख्यक के अनुसार कानून बनाने की बात कही। उन्होंने कहा था, हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यक के अनुसार ही देश चलेगा। एक से ज्यादा पत्नी रखने, तीन तलाक और हलाला के लिए कोई बहाना नहीं है और अब ये प्रथाएं नहीं चलेगी।

विभिन्न राजनीतिक दलों, वरिष्ठ वकीलों, नागरिक संगठनों और कुछ पूर्व न्यायाधीशों ने इस बयान को न्यायिक गरिमा और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बता दिया। कपिल सिब्बल के नेतृत्व में 55 विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी दायर किया। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर 2024 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से रिपोर्ट माँगी। इसके बाद 17 दिसंबर को तत्कालीन चीफ जस्टिस संजय खन्ना और चार अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों की कॉलेजियम बैठक में

'ऑपरेशन विजय' के शहीदों के परिजनों को उनके निवास पर जाकर सम्मानित करेगी सेना



नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियाँ)।

सेना 26वें करगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में करीब डेढ़ महीने तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी और शुरुआती कार्यक्रम में करगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के परिजनों को इस सप्ताह उनके निवास पर ही सम्मानित किया जायेगा।

सेना के अनुसार ये कार्यक्रम विजय दिवस यानी 26 जुलाई तक आयोजित किये जायेंगे और इनमें देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले नायकों की अदम्य भावना, बलिदान और साहस का सम्मान किया जाएगा। सेना ने इस सप्ताह एक विशेष संपर्क अभियान की योजना बनाई गई है जिसमें कारगिल युद्ध के दौरान राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले युद्ध नायकों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। अपनी तरह के इस पहले अभियान में सेना के प्रतिनिधि शहीदों के 545 निकटतम परिजनों से मिलेंगे और उनके निवास स्थान पर उनका सम्मान किया जाएगा।

असम से घुसपैठियों को निकालने के लिए अब

सात दशक पुराना एक कानून का उपयोग किया जाएगा : बिस्व सरमा

गुवाहाटी, 09 जून (एजेंसियाँ)।

असम से घुसपैठियों को निकालने के लिए अब एक 7 दशक पुराना एक कानून उपयोग किया जाएगा। इस कानून के तहत घुसपैठियों को निकालने के लिए अदालत जाने की जरूरत नहीं होगी। इस कानून का इस्तेमाल करने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने भी दी हुई है। वर्तमान में देश भर से बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने के लिए ऑपरेशन पुशबैक चल रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस कानून को अमल में लाए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि अवैध विदेशियों को निर्वासित करने के लिए अब हर बार अदालत जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि असम सरकार 1950 के अप्रवासी निष्कासन आदेश का इस्तेमाल कर सकती है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में वैध माना है। सीएम सरमा ने बताया कि इस कानून के तहत कलेक्टर को भी यह अधिकार है कि वह अवैध प्रवासियों को सीधे देश से बाहर भेजने का आदेश दे सकता है। सीएम सरमा ने यह सारी जानकारी शनिवार (7 जून, 2025) को नलबाड़ी जिले के दौरे के में दी है।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि किसी कारण से 1950 के इस कानून को भुला दिया गया था और सरकारी वकील भी इसका जिक्र नहीं करते थे। हाल ही में सरकार को इस कानून के अस्तित्व का पता चला है। अब राज्य

सरकार इसका इस्तेमाल अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए करेगी। उन्होंने कहा कि अब से अवैध प्रवासियों की पहचान होने पर उन्हें ट्रिब्यूनल भेजने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि सीधे सीमा पार भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) के कारण अवैध प्रवासियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया धीमी हो गई थी लेकिन अब इसे तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जैसे ही किसी अवैध प्रवासी की पहचान होगी, उसे बांग्लादेश भेज दिया जाएगा। सीएम सरमा ने कहा कि अब इन मामलों को ट्रिब्यूनल में भेजने की जरूरत नहीं होगी और प्रक्रिया जल्दी शुरू की जाएगी, जिसके लिए तैयारियां चल रही हैं। हालाँकि, जिन लोगों ने अपने निष्कासन आदेश को अदालत में चुनौती दी है, उन्हें तब तक नहीं भेजा जाएगा जब तक अदालत फैसला नहीं देती। सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2024 में दिए गए फैसले में नागरिकता कानून की धारा 6ए को वैध बताया था। साथ ही कोर्ट ने कहा कि अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950 के प्रावधान भी इसमें शामिल माने जाएँगे और इनका इस्तेमाल अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया था कि निष्कासन कानून और धारा 6ए एक-दूसरे के खिलाफ नहीं हैं, >10पर

महाराष्ट्र के मुंब्रा स्टेशन पर

कई यात्रियों के गिरने से पांच की मौत, सात घायल

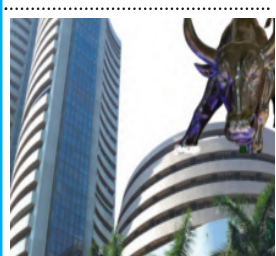


मुंबई, 09 जून (एजेंसियाँ)।

महाराष्ट्र के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर कसारा से आने वाली एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरने से सोमवार को पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे ने यह जानकारी दी।

श्री शिंदे ने कहा, यह दुर्घटना सुबह करीब नौ बजे हुई और हमें सवा नौ बजे सूचना मिली और हम मौके पर पहुंचे तो पाया कि करीब सात लोग घायल हैं और कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। शिंदे ने कहा, पीड़ितों को नजदीकी छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा ले जाया गया, जिनमें से चार घायल अपने आप जुपिटर अस्पताल चले गए। अधिकारियों ने इस त्रासदी को अत्यधिक भीड़भाड़ के कारण बताया, जिसमें कई यात्री कथित तौर पर उस समय ट्रेन के दरवाजों पर लटके हुए थे। रेलवे अधिकारी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया।

शेयर मार्केट



बीएसई : 82,445.21
+256.22 +0.31% ↑
एनएसई : 25,103.20
100.15 (0.40%) ↑

मौसम बेंगलूर

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 22°

एक देश एक चुनाव : जेपीसी प्रमुख ने पेश किया मोदी सरकार के 'डीम प्रोजेक्ट' का रोडमैप

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियाँ)। 'एक देश एक चुनाव', ये मोदी सरकार का डीम प्रोजेक्ट माना जाता है। इसको लेकर बीजेपी सांसद और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से संबंधित विधेयकों पर संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी बताया कि इसे मौजूदा विधेयकों के साथ लागू किया गया, तो 2034 में ही चुनाव एक साथ कराए जा सकेंगे। पीपी चौधरी ने बताया कि जेपीसी अपना मसौदा कानून से आगे जाकर चुनावों को एक समान रखने के तरीके सुझा सकती है, जिसमें रचनात्मक या

सकारात्मक अविश्वास प्रस्ताव के प्रावधान की सिफारिश करना भी शामिल है। पीपी चौधरी ने एक देश एक चुनाव लागू होने के मुद्दे पर कहा कि सदस्यों ने सर्वसम्मति से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करने का फैसला किया है, जिसमें दो से ढाई साल का एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें लगभग दो से ढाई साल लगेंगे। अब तक, समिति ने दो राज्यों का दौरा किया है, जो कि महाराष्ट्र और उत्तराखंड है। बता दें कि एक देश एक चुनाव के विधेयक पिछले वर्ष दिसंबर में लोकसभा में पेश किये



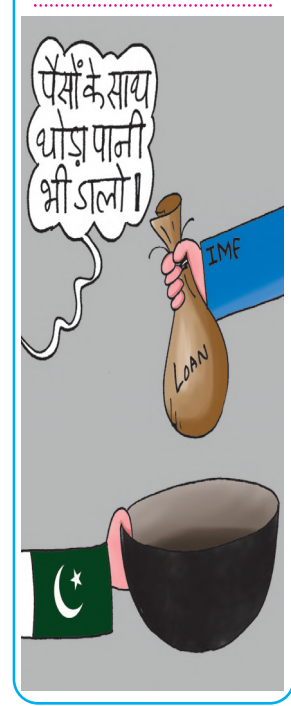
गये थे और लगभग तुरंत ही इन्हें चौधरी के नेतृत्व वाली समिति को भेज दिया गया था, जो कि फीडबैक के लिए हितधारकों के साथ परामर्श कर रही है। ड्राफ्टेड

विधेयक में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ लाने के लिए एक उपाय का प्रावधान है, लेकिन चौधरी का मानना है कि समिति इस बारे में

अतिरिक्त सिफारिशें कर सकती है कि समन्वय कैसे कायम रखा जाए। ऐसा ही एक सुझाव अविश्वास प्रस्ताव का रचनात्मक प्रस्ताव हो सकता है, जैसा कि जर्मनी में होता है, जहां सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले विधानमंडल के सदस्यों के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या होनी चाहिए। एक साथ चुनाव होने को लेकर पीपी चौधरी ने कहा कि समिति विचार-विमर्श करेगी; संसद निर्णय करेगी। हम यह नहीं कह सकते कि कब, लेकिन विधेयक में संसद के पहले सत्र का उल्लेख

है, अगर यह नियत तिथि पर होता है, तो यह 2034 से होगा। संविधान (एक सौ उन्तीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2024 लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान करते हैं। यदि विधेयक पारित हो जाता है, तो राष्ट्रपति नव-निर्वाचित लोकसभा की पहली बैठक में एक तारीख घोषित करेंगे और तारीख के बाद निर्वाचित प्रत्येक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल

कार्टून कॉर्नर





जेपीएफ फेस्ट 2025 के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल को एक ही मंच पर लाया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आज की तेज गति वाली, परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में, प्रोफेशनल अपनी विश-षज्ञता, नवाचार और समर्पण का उपयोग करके कठिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और परिवर्तनकारी बदलाव ला रहे हैं। प्रौद्योगिकी के माध्यम से उद्योगों में क्रांति लाने, स्वास्थ्य सेवाओं में जीवन बचाने, स्थिरता को बढ़ावा देने, शिक्षा के माध्यम से मन को सशक्त बनाने और सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने तक, उनका प्रभाव गहरा है। विशेषज्ञ ज्ञान, नवीन समाधानों और नेतृत्व के साथ, पेशेवर भविष्य को आकार दे रहे हैं और एक स्थायी प्रभाव पैदा कर रहे हैं। जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो प्रोफेशनल फोरम बेंगलूरु साउथ ने जेपीएफ फेस्ट 2025 का आयोजन किया, जो एक जबरदस्त सफलता थी, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल को एक ही मंच पर लाया गया।

यह आयोजन 1 जून रविवार को किंम्स मेडोस, विद्यानगरपुरा में आयोजित किया गया था। 230 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, यह पूर्ण-दिवसीय आयोजन कई युवा और अनुभवी प्रोफेशनल द्वारा प्रशंसित किया गया। इस आयोजन का मुख्य विषय जुड़ने, नेटवर्किंग करने और सशक्तिकरण करने पर था, जो सभी उप-स्थित लोगों के साथ प्रतिध्वनित हुआ। एसपीए कैपिटल इस आयोजन का टाइटल स्पॉन्सर था। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें जीतो बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव नितिन लूनिया,



जेआईआईएफ सह-संयोजक महावीर भंसाली, जेपीएफ संयोजक रौनक गुलेचा, जेपीएफ बेंगलूरु के अध्यक्ष हरि किशन पी छाजेड़, जेपीएफ बेंगलूरु के उपाध्यक्ष हितेश गिरिया, जेपीएफ बेंगलूरु की मुख्य सचिव प्रेक्षा भंडारी, जेपीएफ बेंगलूरु के कोषाध्यक्ष रिषभ पिपड़ा, वक्ता दीपक शिंदे और प्रायोजक एसपीए कैपिटल की प्रतिनिधि मोना सूत्रवे उपस्थित थी। जीतो साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने अपने संदेश में जेपीएफ टीम को आयोजन के लिए बधाई दी और घोषणा की कि जीतो साउथ जल्द ही आपातकालीन स्थितियों में समाज की सेवा करने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन शुरू करेगा। जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने कहा कि जेपीएफ जीतो का एक प्रयास है जो सभी जैन प्रोफेशनल को एक मंच पर लाने के लिए है, जो समाज के हित में आवश्यक प्रोफेशनल सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगा।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि डॉ. हर्षिता जैन जेएटीएफ बाल्डोटा गर्ल्स हॉस्टल के लिए मानद विजिटिंग डॉक्टर

लंबे समय तक याद रखा जाएगा

आयोजन जेपीएफ समिति के सदस्यों द्वारा अच्छी तरह से समन्वित किया गया था, जिसमें तरुण कुमार बागमार द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान की गई। आयोजन के संयोजक लोकेश लालवानी और सह-संयोजक वैभव बाफना ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन अदिति जैन और वैभव बाफना ने किया। अवनीर मेहता, गजेश भंडारी और श्रवण जैन ने प्रतिभागियों और वक्ताओं के साथ समन्वय किया, जिससे यात्रा सुगम हुई। इसके अलावा, पूरे सोशल मीडिया हैंडल और सामाजिक समन्वय का प्रबंधन विनय द्वारा किया गया। लगभग 30 स्वयंसेवकों के साथ उपस्थित लोगों की जरूरतों का ध्यान रखते हुए, जेपीएफ फेस्ट 2025 वास्तव में एक अविस्मरणीय आयोजन था जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

के रूप में अपनी सहमति दी है। दीपक शिंदे ने क्या आपका अच्छा आपके सर्वश्रेष्ठ का दुश्मन है विषय पर प्रेरणादायक बातचीत की।

उनका भाषण वास्तव में प्रेरणादायक था और प्रोफेशनल को अपनी सेवाओं को अधिक प्रचुर बनाने और पारंपरिक प्रथाओं से परे विस्तार करके अपने व्यवसाय में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद तीन पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। प्रथम पैनल चर्चा हमारे व्यवसाय में एआई का प्रभाव



थी, जिसे लोकेश लालवानी ने संचालित किया, जिसमें पैनलिस्ट सीए दीपक कुमार जैन, ई. मोहित अम्बानी, ई. कुणाल जैन और प्रदीप जैन शामिल थे। इस चर्चा ने दर्शकों को दैनिक जीवन और व्यवसाय में एआई के वर्तमान और भविष्य में व्यस्त रखा।

द्वितीय पैनल चर्चा “स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती” पर थी, जिसे हितेश गिरिया ने संचालित किया, जिसमें पैनलिस्ट डॉ. रतन सालेचा, डॉ. हर्षिता जैन और डॉ. मनीषा शामिल थे। स्वस्थ आदतों,

काम-जीवन संतुलन और खुशी बनाए रखने के लिए सरल दैनिक अभ्यासों पर चर्चा ने भीड़ को आश्चर्यचकित कर दिया। तृतीय पैनल चर्चा “धन निर्माण” पर थी, जिसे एडवोकेट रिषभ पिपड़ा ने संचालित किया, जिसमें पैनलिस्ट सीए मनीष सिंहवी, सीए नितिन सुराणा, सीए सिद्धार्थ गांधी और मोना सूत्रवे शामिल थे।

सभी पैनलिस्ट और प्रायोजकों को जीतो पदाधिकारियों और जेपीएफ समिति के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। पैनल चर्चाओं के बाद, टीम-बॉन्डिंग कार्यक्रम और विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल के साथ नेटवर्किंग का आयोजन किया गया। रूहानी बैंड द्वारा एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बच्चों को स्वयंसेवकों और जेपीएफ समिति के सदस्यों खुशबू भंडारी, सोनिया बोहरा और सुमन जैन द्वारा व्यस्त रखा गया था। जेपीएफ फेस्ट 2025 एक जबरदस्त सफलता थी, जिसने प्रोफेशनल को एक साथ लाया और नेटवर्किंग, सीखने और विकास के लिए एक मंच प्रदान किया।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीएमएस एजुकेशन ट्रस्ट छात्रावास द्वारा बीएमएस महाविद्यालय के सभागार में क्रीडा प्रतियोगिता फरोस के समापन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, छात्रावास के सचिव डॉ. राहुल आर, अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास के सचिव डॉक्टर वेंकटेश वडपट्टी ने पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

शताब्दी वर्ष महोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष स्मारक आवरण का अनावरण



बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री पुरुषादानिया पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर, बल्लारी के शताब्दी वर्ष महोत्सव (1925 - 2025) के उपलक्ष्य में एक विशेष स्मारक आवरण (स्पेशल पोस्टरल कवर) का अनावरण भारतीय पोस्टरल विभाग के डाकघर अधीक्षक बल्लारी डिवीजन और श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ बल्लारी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस मौके पर बल्लारी डाकघर अधीक्षक बल्लारी डिवीजन पी. चिदानंद, विशेष अतिथि ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंधी, जैन श्वेतांबर संघ के अध्यक्ष उत्सवलाल बागरेचा, संस्कार स्कूल के अध्यक्ष व जैनिय फिलेटेलीक सोसायटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महावीर कुंदुर, गौरक्षणा संघ बल्लारी के

कार्यदर्शी अशोक जैन, तेरापंथ सभा बल्लारी के अध्यक्ष हरीशकुमार खिवेंसरा, स्थनवासी समाज बल्लारी के अध्यक्ष केवलचंद विनायकिया आदि लोग उपस्थित थे। महेंद्र सिंधी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कैबिनेट मंत्री अश्विनी वैष्णव, दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम.सिंधिया और डाक विभाग का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का डाक विभाग सदैव ही हर क्षेत्र में इतिहास बनाता रहा है। सिंधी ने कहा पत्र व्यवहार के जमाने में तलाक नाम सुनने को नहीं मिलता था, परन्तु आज के डिजिटल जमाने में छोटी छोटी बातों में तलाक हो जाता है। कार्यक्रम का संचालन डाक विभाग के अल्लाह साहब ने किया। अधिकारी रवि कुमार ने सभी का परिचय कराया और सभी का स्वागत किया।

भाषा साहित्य मंच ने रंगारंग कार्यक्रम का किया आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाषा साहित्य मंच ने अपने पाँच वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण करने के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन किया। इसी के अंतर्गत एक सप्ताह तक चली अंताक्षरी, आशु भाषण एवं भाषा एवं साहित्य आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

जिनका संयोजन डॉ. उषा श्रीवास्तव एवं डॉ. वत्सला किरण के निर्देशन में क्रमशः डॉ. शैलजा रोला, भगवती सक्सेना एवं रीना दयाल, दीप्ति भारद्वाज, त्रिशला मिश्रा, सुषमा कुलश्रेष्ठ आदि ने मिलकर किया। अंताक्षरी प्रतियोगिता में प्रथम डॉ. भूमिका श्रीवास्तव, द्वितीय विजया स्याल और तृतीय स्थान लता शाह ने प्राप्त किया। आशु भाषण में प्रथम जागृति शंकर, द्वितीय भूमिका श्रीवास्तव और तृतीय स्थान ज्योति तिवाारी को प्राप्त हुआ एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान डॉ. शांति मोहन व द्वितीय स्थान



सरिता श्रीवास्तव ने प्राप्त किया। मुख्य कार्यक्रम का संचालन दीप्ति भारद्वाज एवं ज्योति तिवाारी ने अपने विशिष्ट अंदाज में किया। वार्षिकोत्सव की अध्यक्ष मंजुला अष्टाना महंती भूबनेश्वर से जुड़ी उनका परिचय सरिता श्रीवास्तव ने दिया। मुख्य अतिथि लता विनोद नोवाल मुंबई से जुड़ी जिनका काव्यात्मक परिचय त्रिशला मिश्रा ने दिया। अतिथियों के मंचासीन होने पर कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्वलन के साथ नंदिनी माथुर की स्वरचित सुमधुर मां शारदे की सुंदर वंदना मां शारदे हमे वरदान दे, से प्रारंभ हुआ। पटल की अध्यक्षता डॉ.ऊषा श्रीवास्तव ने अपने स्वागत उद्बोधन में पटल की मुख्य गतिविधियों के बारे में बताया एवं सह-संयोजिका डॉ वत्सला किरण ने पटल की स्थापना से

प्रस्तुत कर सभी का भरपूर मनोरंजन किया। रीना दयाल जो सिंगापुर से जुड़ी थी ने सुमधुर भजन, राम चरण सुखदाई सुनाकर भाव-विभोर कर दिया। क़ता रीता शेखर मधु ने भाषा साहित्य मंच पर सारगर्भित दोहे प्रस्तुत किए। सरिता श्रीवास्तव ने राधा हैं गोपी तो कृष्ण है खाला, भावपूर्ण भजन, ज्योति तिवाारी ने रिसतों पर ऊर्जा की चेतना बस भरे जाइए, लता किरण शाह ने तने एक बार राजस्थान जायजो रे, गरबा गीत एवं भगवती सक्सेना गौड़ ने पर्यावरण पर कविता, जागृति शंकर ने लेख-मेरे सपने से सबको गुदगुदाया समेत अन्य लोगों ने अति सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने अपने विशिष्ट अंदाज में धन्यवाद ज्ञापित किया।

जो धर्म की शरण में जीवन बिताते हैं, उनका बाल भी बाँका नहीं होता: पंडित रत्न ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित पंडित रत्न ज्ञानमुनि ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो धर्म की शरण में जीवन बिताते हैं, उनका बाल भी बाँका नहीं होता। जो इन्द्रियों को जीतकर धर्म में लीन रहते हैं, उनका हर भव सुधर जाता है। जो व्यक्ति धर्म, संयम, और सत्य के मार्ग पर चलता है, जो सम्यक् दृष्टि और सम्यक् आचरण को अपनाकर जीवन जीता है, उसे किसी भी प्रकार का भय नहीं होता। संसार के दुःख और मृत्यु तक उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। उसका आत्मबल इतना सशक्त होता है कि वह हर स्थिति में शांत, सुरक्षित और निर्भीक रहता है। जो संसार के मोह और राग में उलझे रहते हैं, उनका मरण भी चिंताजनक होता है। विरले ही ऐसे होते हैं, जो संसार की वासनाओं को त्याग कर आत्मकल्याण की ओर बढ़ते हैं। आचार्य हीराचंद्र महाराज की आज्ञानुवर्ती साध्वी ज्ञानलता के जोधपुर में देवलोक गमन पर गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। ज्ञानमुनि ने कहा कि महासती मैनासुंदरी का सानिध्य साध्वी ज्ञानलता को मिला और उनके जीवन में वैराग्य के बीज



अंकुरित हुए। 19 वर्ष की उम्र में संयम मार्ग पर चलकर 42 वर्षों तक उन्होंने अपनी साधना और तप से जिनशासन को गौरवान्वित किया। उनका पूरा व्यक्तित्व संघ समाज के सामने खुली किताब की तरह रहा। अनुकूलता और प्रतिकूलता में सदैव समभाव बनाये रखना। उनकी आत्मा शीघ्र शाश्वत सुख को प्राप्त करें यही मंगलकामना करते है। इस दौरान उपस्थित जन ने चार लोगस्स का ध्यान कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने मेवाड़ संघ शिरोमणि अम्बालाल महाराज के जन्मोत्सव पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ऐसे महापुरुषों ने अपनी सरलता एवं बोध से जिनशासन को गौरवान्वित किया। उनका जीवन सादा सरल था लेकिन उनकी साधना आराधना उच्च कोटि की थी। मेवाड़ की सेवा का

जो अवसर समय के साथ मिला उसका उन्होंने सदुपयोग किया एवं जन-जन की आस्था के केंद्र बन गए। आचार्य रतनचंद महाराज के पुण्योत्सव पर भी गुरुदेव ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। गौतमचंद ओस्तवाल ने महासती के गुणगान स्वरूप अपने विचार रखे और समस्त श्रावक श्राविकाओं को चार लोगस्स का ध्यान करा श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साध्वी ज्ञानलता के राजाजीनगर चातुर्मास की विशिष्ट उपलब्धियों व संस्मरणों को याद करते हुए जसवंतराज छाजेड़ व नेमीचंद दलाल ने भी अपने विचार रखे। साध्वी ज्ञानलता को विभिन्न संघों, संस्थाओं द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। आभार ज्ञापित कोषाध्यक्ष प्रसन्न भगवट ने और धर्म एवं गुणानुवाद सभा का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

महासती ज्ञानलता जी की स्मृति में गुणानुवाद सभा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री हीरा चन्द्र जी महाराज, भावी आचार्य महेंद्र मुनि जी के आज्ञा में विचरण करने वाली पूज्य महासतिजी श्री ज्ञानलताजी, जिनका 3 जून को रात्रि 8.45 बजे समाधि पूर्वक देवलोक गमन हो गया, का गुणानुवाद सभा आयोजित किया गया। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि अध्यक्ष निर्मल बम्ब और मंत्री भरत सांखला के सानिध्य में गुणानुवाद सभा में काफी श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक) बेंगलूरु स्वाध्याय भवन राजाजीनगर में आयोजित गुणानुवाद सभा में वक्ताओं ने बताया कि महासती ज्ञानलता जी 3 के सिंघाड़े से दक्षिण भारत में पधारी थी। कुछ ही वर्षों के अंतराल के बाद आपने जब राजस्थान में प्रवेश किया तो 21 का सिंघाड़ा था। स्वास्थ्य की प्रतिकूलता में महासती भाग्यप्रभा जी और ठाना के अथक पुरुषार्थ से करीब 25 दीक्षास्थी ने आपश्री की पावन निष्ठा में संयम जीवन अंगीकार किया। आचार्य श्री के निर्देशन में गुणैणी जी महासती मैना सुंदरी जी जो स्वयं स्वनाम धन्य थी, उनके कुशल मार्गदर्शन में काफी श्रावक-श्राविकाओं को धर्म से जोड़ा। संघ के उपाध्यक्ष गौतम चंद ओस्तवाल ने संचालन के दौरान उनके गुणों का स्मरण किया। अध्यक्ष निर्मल बम्ब, मंत्री भरत सांखला, उपाध्यक्ष रमेश गुंदेश, युवक संघ के मनीष सांखला ने भी उनसे सीखे ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय, पचखात के अनूठे संस्मरण साझा किए। कई संघों के पदाधिकारियों और संघ के तीनों घटक श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, श्री जैन रत्न श्राविका मंडल और श्री जैन रत्न युवक परिषद का विशेष सहकार रहा।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या साध्वी पुण्ययशा जी के पावन सानिध्य में हनुमंतनगर ज्ञानशाला का प्रारंभ किया गया। ज्ञानशाला संयोजिका मंजू दक ने बताया कि पिछले 2 महीने की छुट्टियों के बाद ज्ञानशाला शुरू हुई और यह हमारा सौभाग्य है कि साध्वी का सानिध्य हमें मिला। साध्वी बोधिप्रभा जी ने ज्ञानार्थियों को कहानी के माध्यम से नमस्कार महामंत्र का महत्व समझाया। साध्वी पुण्ययशा जी ने ज्ञानार्थियों को टीवी मोबाइल देखते हुए खाना नहीं खाने का संकल्प करवाया और मंगलपाठ सुनाया। इस अवसर पर ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं सहित ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों की अच्छी उपस्थिति रही।

निष्ठा से कार्य करते हैं। हीरालाल ने महासभा के अध्यक्ष पद को पूर्व में सुशोभित किया है। वर्तमान में भी जगह जगह पर सभा भवन के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। गुरुदेव की भी सदैव कृपादृष्टी उन पर बनी रहती है। हीरालाल एवं सायर देवी ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए आराधना केंद्र की उपयोगिता को बताया। कार्यक्रम में संस्कारक की भूमिका विकास बाँटिया, संजय भट्टेरा, पवन बैद एवं आशीष सिंधी ने निभाई। इस अवसर पर तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने मालू परिवार के प्रति शुभकामनायें संप्रेषित की। कार्यक्रम में शोभा अपार्टमेंट जैन परिवार, सभा पदाधिकारी, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष राकेश पोखरणा, संगठन मंत्री पंकज कोचर आदि उपस्थित थे।

और महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई है। सीआईडी जांच दल पहले से ही न्यायिक हिरासत में बंद चाणू आरोपियों को भी हिरासत में लेने की तैयारी कर रहा है। आरसीबी की जांच का जश्र देखने के लिए स्ट्रेडियम में उम्मीद से ज्यादा लोग आ गए थे, जिसके कारण भगदड़ मच गई। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस घटना के सिलसिले में दो कब्जानदारक पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज किए गए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारामैया ने मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयनगर बीजीएस क्रिकेटर द्वारा हेगनहल्ली स्थित बीएससी खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा विजयनगर बीजीएस क्रिकेट सीजन 4 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मेंटेंड्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा जीत या हार खिलाड़ी की प्रतिभा के साथ उसकी सोच पर भी निर्भर करती है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

रेल से उम्मीद, पर अपने गिरेबान में भी तो झांकें कश्मीरी

जम्मू, 09 जून (ब्यूरो)।

देश में कश्मीर के लिए सीधी रेल की शुरुआत हो चुकी है। कश्मीर के लोग अपने गिरेबान में तो झांकते नहीं, पर यह सवाल जरूर पूछते हैं कि क्या यह रेल कश्मीर के पर्यटन व्यवसाय को पहलगायम नरसंहार के कारण हुई क्षति की भरपाई कर पाएगी। पर्यटन को हुए नुकसान के लिए आतंकवाद को अब तक दिया जाता रहा संरक्षण जिम्मेदार है, इस आइने में मुस्लिम बहुल कश्मीर के लोगों को अपना चेहरा देखना होगा और सोचना होगा। पहलगायम में जब चुन-चुन कर हिंदू मारे जा रहे थे तो स्थानीय लोग कुछ करने के बजाय बिस्मिल्लाह ए रहमाने रहीम की रट क्यों लगा रहे थे? यह सवाल उन्हें खुद से पूछना चाहिए। रेल की शुरुआत जम्मू-श्रीनगर हाईवे की दुधारियों से निजात जरूर दिलाएगी, अभी इतना ही कहा जा सकता है।

पहलगायम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के कुछ ही सप्ताह बाद, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इससे कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में हलचल मच गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून को कश्मीर के लिए पहली सीधी ट्रेन को हरी



झंडी दिखाई। इससे लोगों को उम्मीद है कि यह क्षेत्र की यात्रा और अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। नई ट्रेन किफायती और भरोसेमंद यात्रा का विकल्प प्रदान करती है, खासकर मध्यम वर्ग के परिवारों और गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली जैसे राज्यों से आने वाले समूह पर्यटकों के लिए, जिन्हें पहले हवाई यात्रा बहुत महंगी लगती थी। श्रीनगर के होटल व्यवसायी अफजल जाफरी कहते हैं कि हमारे लिए ट्रेन परिवहन से कहीं ज्यादा बड़ी उम्मीद लेकर आई है। यह हमें भारत के हृदय स्थल से फिर से जोड़ती है।

दूसरी तरफ, पहलगायम घटना के बाद

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के लेथपोरा और पंपोर में स्थानीय व्यापारियों और विक्रेताओं को अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। छोटे पैमाने के व्यापारी जो पर्यटकों पर बहुत अधिक निर्भर हैं, खासकर सूखे मेवे, केसर और प्रसिद्ध कश्मीरी कहवा बेचने वाले, अब ग्राहकों और आय में भारी गिरावट का सामना कर रहे हैं। कभी गुलजार रहने वाला श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग, जहां पर्यटक पारंपरिक रूप से गर्म कहवा का आनंद लेने या स्थानीय उत्पाद खरीदने के लिए रुकते थे, अब भयावह रूप से सुस्ताया है। पीक सीजन का व्यापार, जो आमतौर पर जीवंत गतिविधि और

समृद्धि लाता है, अचानक खामोशी और बढ़ती चिंता के दौर में बदल गया है।

लेथपोरा में सूखे मेवे की दुकान चलाने वाले मंजूर ने दुख जताते हुए बताया, हम हमले से पहले जो बेचते थे, उसका बमुश्किल एक प्रतिशत भी कमा पा रहे हैं। यहां रोजाना दर्जनों पर्यटक वाहन रुकते थे। लोगों को हमारा कहवा बहुत पसंद आता था और वे इसे थोक में खरीदते थे। अब, शायद ही कोई धीमा पड़ता है या रुकता है। इसी प्रकार पंपोर के पास कहवा की दुकान चलाने वाले आफताब लोन ने भी इसी तरह की चिंता जताई। उन्होंने चिंतित भाव से कहा कि हमले ने न केवल तत्काल भय पैदा किया है, बल्कि पर्यटकों का विश्वास भी तोड़ दिया है। यहां तक कि जिन लोगों ने पहले से ही अपनी यात्रा की योजना बना रखी थी, वे भी रद्द कर चुके हैं। अब कोई भी यहां सुरक्षित महसूस नहीं करता। केसर विक्रेता गुलजार अहमद ने कहा, हमें बच्चों को खिलाना है, कर्ज चुकाना है और कोई बचत नहीं है। अगर यही स्थिति बनी रही, तो हमें अपनी दुकानें हमेशा के लिए बंद करने पर मजबूर होना पड़ सकता है।

अब फूलों का कारोबार भा गया स्नातकोत्तर दंपति को



जम्मू, 09 जून (ब्यूरो)।

सरकारी नौकरी पाने के लिए कई साल तक संघर्ष करने के बाद दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले के अबंतीपोरा का एक दंपति आजीविका के लिए फूलों के कारोबार में लग गया। पहलगायम नरसंहार के कारण उनके व्यापार को धक्का लगा पर वे घबरारे नहीं हैं।

इश्फाक अहमद और उनकी पत्नी साबिया सुरुताक, दोनों स्नातकोत्तर हैं, उन्होंने पुलवामा शहर में जमीन का एक टुकड़ा किराए पर लिया है, जहां वे कई तरह के फूल बेचते हैं।

साबिया ने बताया कि कैसे उन्हें और उनके पति को सरकारी नौकरी पाने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आखिरकार,

उन्होंने एक ऐसा व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया जो पर्यावरण के अनुकूल और आर्थिक रूप से टिकाऊ हो। साबिया कहती हैं, पिछले साल हमने छोटे पैमाने पर फूलों का व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया। शुरू में मेरा परिवार सहायक नहीं था, लेकिन संभावना को देखने के बाद उन्होंने भी हमें प्रोत्साहित किया। दंपति ने पुलवामा में जमीन किराए पर ली, जहां वे अब लगभग 200 किस्मों के फूल बेचते हैं और आय का एक स्थिर स्रोत स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि फूलों के कारोबार में उतरने का उनका फैसला प्रकृति के प्रति उनके जुनून से प्रेरित था। हम हमेशा कुछ ऐसा शुरू करना चाहते थे जिससे

पर्यावरण को लाभ हो। स्वच्छ हवा और शुद्ध ऑक्सीजन के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना आवश्यक है। दंपति अपने फूलों का स्टॉक पुणे और चेन्नई से मंगवाते हैं और अपने कारोबार को और आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इश्फाक और सबिया दोनों का मानना है कि युवाओं को केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी दर बहुत अधिक है। युवाओं को केवल सरकारी नौकरियों का इंतजार नहीं करना चाहिए, बल्कि जिस क्षेत्र में वे रुचि रखते हैं, उसमें पहल करनी चाहिए। ऐसा करके वे न केवल अपने लिए बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार पैदा करेंगे।

मद्रास के राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल वसूली पर सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)।

तर्क दिया कि उस राजमार्ग पर

पीठ ने प्रतिवादियों को जवाबी

उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर सौमवार को अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें मद्रै-तूतीकोरिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर के पुनर्निर्माण नहीं होने तक वहां टोल शुल्क वसूली पर रोक लगाई गई थी।

शीर्ष अदालत के इस अंतरिम आदेश के बाद एनएचएआई मद्रास के मद्रै-तूतीकोरिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल वसूली करने के लिए स्वतंत्र है।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया।

एनएचएआई ने उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत के समक्ष एनएचएआई की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमन ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए



प्रतिदिन 25,000 से अधिक लोग यात्रा करते हैं।

दूसरी ओर, मूल प्रतिवादियों का की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने शीर्ष अदालत की ओर से उच्च न्यायालय के रोक संबंधी आदेश का विरोध करते हुए तर्क दिया कि टोल वसूली 'दिनदहाड़े डकेती' के समान है, क्योंकि सड़क की स्थिति खराब है और वह उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं है।

उन्होंने दलील दी कि एनए-चएआई ने पहले भी सड़क की मरम्मत के लिए अन्य मामलों में वचन दिया था, लेकिन उसका पालन नहीं किया।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने पाया कि उच्च न्यायालय के समक्ष मूल रिट याचिका में टोल वसूली पर प्रतिबंध लगाने की मांग नहीं की गई थी।

हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि मामले पर बाद में विस्तार से विचार किया जाएगा।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने टिप्पणी की, उन्हें अभी (टोल) वसूलने दें, फिर हम देखेंगे।

मद्रास उच्च न्यायालय ने तीन जून के अपने आदेश में फैसला सुनाया था कि अगर सड़कों का रखरखाव भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिनियम के तहत निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं किया जाता है, तो टोल वसूली अस्वीकार्य है।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति ए डी मारिया क्लेटे की खंडपीठ ने कहा था कि एनए-चएआई सड़क उपयोगकर्ताओं से शुल्क वसूलने से पहले उसकी (सड़क की) गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है।

अपने आदेश में उच्च न्यायालय ने कहा था, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण राजमार्गों का उचित रखरखाव करने और उसके बाद सड़क उपयोगकर्ताओं से टोल शुल्क वसूलने के लिए बाध्य है।

शिलांग, 09 जून (एजेंसियां)।

मेघालय पुलिस ने सोमवार को कहा कि मध्य प्रदेश के पर्यटक राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में सफलता ईमानदारी, व्यावसायिकता और दृढ़ता के साथ न्याय करने की प्रतिबद्धता के कारण संभव हो पायी है।

मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने सनसनीखेज मामले को सुलझाने के लिए मेघालय पुलिस को बधाई दी है। सहायक पुलिस महानिरीक्षक डॉ. सचेंग आर. मारक ने कहा, इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है इनमें दो मध्य प्रदेश के इंदौर और एक उत्तर प्रदेश ललितपुर निवासी हैं। ये गिरफ्तारियां राजा रघुवंशी की दुखद मौत के इर्द-गिर्द की परिस्थितियों को उजागर करने में एक निर्णायक घटनाक्रम को दर्शाती हैं।

श्री मारक ने कहा कि राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम ने कथित तौर पर उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के नंदगंज पुलिस थाने में आत्मसमर्पण किया है और



वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश पुलिस की हिरासत में है। उन्होंने कहा कि उनके स्थानांतरण और औपचारिक बयान के लिए आवश्यक कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारी ने कहा, इस मामले में यह सफलता निरंतर जांच प्रयासों और बहु-राज्य समन्वय के बाद हासिल हुई है।

श्री मारक ने कहा, हम इस जटिल जांच के दौरान उनके सहयोग और समर्थन के लिए परिवारों, मेघालय के नागरिकों और हमारे अंतर-राज्यीय समकक्षों के प्रति बहुत आभारी हैं।

इसके अलावा, उन्होंने कहा, मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीम द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, स्थानीय खुफिया इकाइयों और कई राज्यों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा समर्थित चौबीसों घंटे प्रयासों का परिणाम है।

श्री मारक ने कहा, भौगोलिक और तार्किक चुनौतियों और निरंतर सार्वजनिक और मीडिया जांच के बावजूद, हमारी टीमों कानून के शासन को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रही।

हत्या का मामला दर्ज किया गया है और एक विशेष जांच दल राजा की निर्मम हत्या की जांच

कर रहा है।

मध्य प्रदेश के इंदौर के इस जोड़े की 11 मई को विवाह हुआ था और वे 21 मई को हनीमून पर मेघालय की राजधानी शिलांग पहुंचे थे। नवविवाहित दम्पति अपने हनीमून के लिए 22 मई को मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में सोहरा तक अपने किराए के दोपहिया वाहन से गया, जो धरती पर सबसे अधिक बारिश वाला स्थान है।

इस जोड़े ने 22 मई को प्रसिद्ध लिविंग डबल डेकर रूट ब्रिज के घर, नोंग्रियाट गांव में शिपारा होमस्टे में चेक इन किया था। राजा और सोनम सुबह-सुबह अपने होमस्टे से चेक आउट कर गए। टूर गाइड अल्बर्ट पंडे ने कहा कि उन्होंने इस जोड़े को नोंग्रियाट से लौटते हुए ट्रेक के बीच में देखा था।

उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके साथ तीन अन्य पुरुष पर्यटक भी थे। पंडे ने कहा, राजा उन तीन लोगों के साथ जा रहा था, जबकि सोनम उनके पीछे धीरे-धीरे चल रही थी।

उन्होंने बताया कि दंपति के लापता होने का पता तब चला जब 24 मई को शिलांग और सोहरा रोड के बीच सोहारिम गांव में एक दोपहिया वाहन लावारिस हालत में मिला, जिसे उन्होंने किराए पर लिया था। दो जून को मेघालय पुलिस ने सोहरा के रियात अलियांग में वेई सावडोंग पार्किंग स्थल के नीचे एक गहरी खाई से राजा का शव-विश्वत शव बरामद किया।

मेघालय पुलिस ने चार जून को मावक्मा गांव में एक खाई से खून से सना हुआ एक रैनकोट बरामद किया।

पुलिस जांच में कहा गया कि राजा की हत्या निर्ममता से की गई। पुलिस ने घटनास्थल से एक चाकू भी बरामद किया, जिसे हत्या का हथियार माना जा रहा है।

जांचकर्ताओं ने कहा कि घटनास्थल से बरामद सभी भौतिक साक्ष्य आगे के विश्लेषण के लिए केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल), हैदराबाद भेजे जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई की पदोन्नति

बने उप सेना प्रमुख (रणनीति)

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)।

'ऑपरेशन सिंदूर' में सफल भूमिका निभाने वाले भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को पदोन्नति दी गई है। सोमवार को उनकी पदोन्नति की जानकारी सामने आई।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को अब भारतीय सेना का उप सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। बतौर उप सेना प्रमुख वह रणनीति मामलों को देखेंगे। उप सेना प्रमुख बनने के बावजूद लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई पूर्व की भांति फिलहाल डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन यानी डीजीएमओ का कार्यभार भी संभालते रहेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, उप सेना प्रमुख (रणनीति) के पद पर पदोन्नत किए गए हैं।

दरअसल, भारतीय सेना में यह एक महत्वपूर्ण पद है। सेना के सभी ऑपरेशनल कार्यक्षेत्र, उप सेना प्रमुख (रणनीति) के कार्यालय को रिपोर्ट करते हैं। वहीं, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य स्तर पर होने वाली बातचीत का नेतृत्व डीजीएमओ द्वारा किया



जाता है। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगायम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था।

ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान में और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित विभिन्न आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना ने हमला किया था, जिसमें सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने इसके जवाब में भारतीय सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमले किए, जिसका मुंह तोड़ जवाब भारतीय सेना ने दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई एयरबेस व एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट कर दिए। इसके बाद पाकिस्तान ने युद्ध विराम की मांग की। पाकिस्तानी सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने भारतीय

डीजीएमओ से संपर्क किया। दोनों के बीच यह वार्ता हॉटलाइन पर हुई थी। बीते महीने हुई इस वार्ता में पाकिस्तान ने कहा था कि वह सीमा पार से एक भी गोली नहीं चल-एगा। वार्ता में कहा गया कि दोनों पक्षों को एक भी गोली नहीं चलानी चाहिए। एक-दूसरे के खिलाफ कोई आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करनी चाहिए।

सेना के मुताबिक, इस बात पर सहमति हुई कि दोनों पक्ष यानी भारत और पाकिस्तान सीमाओं और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें। भारत व पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच हुई अन्य बातचीत की पूरी जानकारी रक्षा मंत्री को दी गई थी। इससे स्पष्ट है कि भारतीय सेना में डीजीएमओ एक बेहद अहम पद है। वर्तमान में भारतीय सेना के डीजीएमओ यानी लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई इस पद पर बने रहेंगे। वह महत्वपूर्ण विषयों पर थलसेना प्रमुख को सीधे रिपोर्ट करते हैं। इसके साथ ही, डीजीएमओ सेना, नौसेना तथा वायुसेना के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

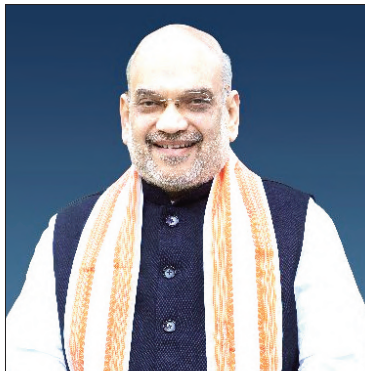
पिछले 11 वर्ष आर्थिक पुनरुत्थान, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का नया युग: शाह

नई दिल्ली, 09 जून (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केन्द्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है।

श्री शाह ने राजग सरकार का 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर शोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, मोदी सरकार के ऐतिहासिक 11 वर्ष जनसेवा के संकल्प, साधना और समर्पण का स्वर्णिम कालखंड रहे हैं। ग्यारह वर्ष के कार्यकाल में देश ने आर्थिक पुनरुत्थान, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है। मोदी सरकार ने यह सिद्ध कर दिया कि जब नेतृत्व स्पष्ट, संकल्प अडिग और नीयत लोकसेवा की होती है, तब सेवा, सुरक्षा और सुशासन के नए कीर्तिमान बनते हैं।

वर्ष 2014 से पहले सरकार में पॉलिसी चैरालिसिस और नेतृत्व की कमी का उद्घेख



करते हुए उन्होंने कहा, 2014 में जब मोदी जी ने देश की बागडोर संभाली, तब देश में पॉलिसी पैरालिसिस था। न नीतियाँ थीं, न नेतृत्व था और सरकार में घोटाले चरम पर थे। अर्थव्यवस्था जर्जर और शासन व्यवस्था दिशाहीन थी। पिछले 11 वर्षों में 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' से देश के विकास की स्पीड और स्केल दोनों का बदला गया है। प्रधानमंत्री किसानों, महिलाओं, पिछड़ों, दलितों और वंचितों को शासन के केंद्र में लाए और तुष्टीकरण की जगह सबका साथ, सबका विकास,

सबका विश्वास और सबका प्रयास की कार्य संस्कृति बनाई।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने राजग सरकार के कार्यकाल को राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर करार दिया और कहा , राजग सरकार के 11 वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में भी मील का पत्थर सिद्ध हुए हैं। नक्सलवाद अपनी अंतिम साँसें गिन रहा है, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में शांति की स्थापना हुई है, भारत अब आतंकवादी हमलों का जवाब आतंकियों के घर में घुस कर देता है। यह मोदी सरकार में भारत की बदलती तस्वीर को दर्शाता है। मोदी 3.0 में नया भारत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की शक्ति से विकसित और आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। देशवासियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर हर क्षेत्र में नंबर एक भारत बनाने की यह यात्रा ऐसे ही जारी रहेगी।

उद्घेखनीय है कि मोदी सरकार ने 11 वर्ष पहले केन्द्र की सत्ता संभाली थी और इसके बाद से देश ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

अंतरिक्ष में नई इबारत लिखने को तैयार शुभांशु शुक्ला

पोस्टरों से सजाया गया उनका घर

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)।

लखनऊ के शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में नई इबारत लिखने को तैयार हैं। उनका मिशन मंगलवार को रवाना होगा। इससे पहले उनके घर को उनकी जीवन यात्रा से जुड़े पोस्टरों से सजाया गया है। इसमें उनको इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी गई है। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। 41 साल बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला मंगलवार (10 जून) को सुबह एक्सओम स्पेस के एक्सओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा पर रवाना होंगे। यह मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और निजी कंपनी स्पेसएक्स की साझेदारी में संचालित किया जा रहा है।

शुभांशु शुक्ला यूपी के लखनऊ के रहने वाले हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे देश के साथ उनके घरवालों को भी



गर्व है। उनके अंतरिक्ष रवाना होने से उनके घर को उनकी जीवन यात्रा से जुड़े पोस्टर लगाकर सजाया गया है। साथ ही इसमें उनको इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई दी गई है। इनमें वह अलग-अलग कार्यक्रमों में दिख रहे हैं। किसी में

प्रधानमंत्री मोदी उनका हौसला अफजाई कर रहे हैं। किसी में वह प्रशिक्षण स्थान पर दिख रहे हैं।

शुभांशु अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सओम स्पेस के चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन का हिस्सा बनकर इतिहास

रचने जा रहे हैं। मिशन मंगलवार को सुबह 8:22 बजे लॉन्च होगा। यह फ्लोरिडा में नासा के केंनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरेगा। यात्रा पर रवाना होने से पूर्व शुभांशु ने कहा, मिशन का हिस्सा बनना अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय होंगे। 41 साल पहले उनके आदर्श राकेश शर्मा ने 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सोयुज अंतरिक्ष यान पर सवार होकर आठ दिनों तक कक्षा में रहने के लिए अंतरिक्ष उड़ान भरी थी। नासा के केंनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष यान को भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजकर 12 मिनट पर स्पेसएक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया जाएगा। इसके 28 घंटे की यात्रा के बाद 11 जून को रात 10 बजे (भारतीय समयानुसार) यान अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ेगा।

राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

स्नातक में हिंदी या संस्कृत भाषा की दक्षता अनिवार्य

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)।

शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में अंग्रेजी के साथ हिंदी या संस्कृत की भाषा दक्षता अनिवार्य की गई है। साथ ही पर्यावरण, योग, संविधान जैसे वैल्यू एडेड कोर्स भी पढ़ाए जाएंगे। दिव्यांग छात्रों के लिए परीक्षा में सुविधा देने के फैसले भी लिए गए हैं।

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में भाषायी दक्षता को अनिवार्य कर दिया गया है। कुलपति संजय सिंह की अध्यक्षता में रविवार को विवि की विद्या परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि अब विद्यार्थियों को पहले व दूसरे सेमेस्टर में अंग्रेजी तथा तीसरे और चौथे सेमेस्टर में हिंदी या संस्कृत भाषा की दक्षता प्राप्त करनी होगी। प्रत्येक भाषा के लिए दो-दो क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं, यानी कुल आठ क्रेडिट में भाषा दक्षता की पढ़ाई करनी होगी।

बैठक में मल्टीडिसीप्लिनरी कोर्स की व्यवस्था भी तय की

जंगल के बीच बनाई गई चार अवैध मजारों ध्वस्त की गई

बहराइच, 09 जून (एजेंसियां)।

बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में वन विभाग की टीम ने चार अवैध मजारों बुलडोजर लगाकर ध्वस्त करा दी गई। बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में जंगल के बीच अवैध रूप से बनी लकड़शहा, भंवरशाह, चमनशाह और शंशाह मजार वन विभाग ने हटा दी।

डीएफओ बी. शिवशंकर ने बताया कि बेदखली की नोटिस दी गई थी। मजारें बाघ जोन में बना दी गई थीं। मजार के जिम्मेदार लोग जमीन और मजार की वैधता प्रमाणित नहीं कर सके, इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। डीएफओ ने बताया कि अतिक्रमण का मामला काफी दिनों से न्यायालय में चल रहा था जिसमें वन विभाग के पक्ष में फैसला आया था जिसके बाद से अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर स्वतः अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो देर रात बुलडोजर की कार्रवाई करके चारों मजारों को ध्वस्त कर दिया गया।



गई। स्नातक स्तर पर मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स के रूप में नेचुरल व फिजिकल साइंस, मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस, कॉमर्स व मैनेजमेंट, लाइब्रेरी इन्फॉर्मेशन व मीडिया साइंस में से किसी तीन को प्रथम द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर के अंतर्गत चुनना होगा।

स्नातक छात्रों को पहले सेमेस्टर में पर्यावरणीय शिक्षा (जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, अपशिष्ट प्रबंधन आदि) पढ़ना अनिवार्य होगा। वहीं दूसरे सेमेस्टर में योग, खेल, डिजिटल समाधान या भारतीय संविधान में से एक विषय चुनना होगा। सभी कोर्स तीन क्रेडिट के होंगे। विशेष शिक्षा

संकाय का नाम अब शिक्षा संकाय होगा और सभी संबंधित विभागों को विशेष शिक्षा विभाग में समाहित कर दिया गया है। पीएचडी उपाधियों का नाम अब पीएचडी इन एजुकेशन एंड स्पेशल एजुकेशन होगा। साथ ही बीएड स्पेशल एजुकेशन कोर्स 2026-27 से चार वर्षीय कर दिया गया है।

विवि की स्वामी विवेकानंद केंद्रीय लाइब्रेरी अब सुबह 9:30 से शाम 7 बजे तक खुलेगी। दृष्टिबाधित व ऑर्थोपेडिक हैंडीकैपड विद्यार्थियों के लिए श्रुति लेखकों को मध्य सत्र परीक्षा में 200 रुपये और सत्रांत परीक्षा में 300 रुपये प्रति पाली के हिसाब से भुगतान किया जाएगा

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भरता से जोड़ रही योगी सरकार

1046 दिव्यांगों को मिला रोजगार

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावशाली पहल की है। इसी क्रम में संचालित दुकान निर्माण/संचालन योजना ने प्रदेश के हजारों दिव्यांग नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। योगी सरकार की योजना का मुख्य उद्देश्य है दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें समाज में सम्मानजनक जीवन जीने में समर्थ बनाना। योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को 20,000 रुपए तक की धनराशि दुकान निर्माण अथवा संचालन के लिए दी जा रही है, जिसमें 15000 रुपए ऋण एवं 5000 रुपए अनुदान और दुकान संचालन के लिए 10,000 रुपए की राशि



75 प्रतिशत ऋण और 25 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। योगी सरकार की यह व्यवस्था न केवल लाभार्थियों के लिए वित्तीय संबल बन रही है, बल्कि उन्हें अपने व्यवसाय की शुरुआत करने का आत्मविश्वास भी दे रही है। कई दिव्यांगजन जो पहले केवल सहायता के मोहताज थे, अब अपने दम पर व्यवसाय चला रहे हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन चुके हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में



सरकार ने इस योजना के लिए 1.06 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया था। योजना का क्रियान्वयन प्रभावी, पारदर्शी और उद्देश्यपरक रहा है। इस राशि में से 1.05 करोड़ रुपए खर्च से कुल 1046 लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इस योजना का सबसे बड़ा प्रभाव यह रहा है कि इससे दिव्यांगजनों में आत्मसम्मान की भावना जगी है। अब वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने में सक्षम हो रहे हैं और समाज में



से ये मिलेत्स हमारी थाली का भी हिस्सा रहे हैं। ईसा पूर्व 3000 साल पहले सिंधु घाटी सभ्यता में भी इनके प्रमाण मिले हैं। खेतीबाड़ी और मौसम की सटीक जानकारी देने वाले महाकवि घाघ ने इनकी बोआई के तरीकों के साथ कहीं-कहीं इनकी खूबियों, यहां तक कि इनके रसिपी की भी चर्चा की है।

मसलन बाजरे की खूबी के बाबत घाघ कहते हैं, उठ के बाजरा यू हंसि बोलै, खाये बूढ़ा जुवा हो जाय। इसी तरह अपने एक दोहे में वह बताते हैं कि मडुआ के भात के साथ मछली और कोदो के भात को दूध या दही के साथ खाने में कोई जवाब नहीं है, मडुआ मीन, पीन संग दही, कोदो का भात दूध संग दही।

करीब डेढ़ दशक पहले हुए एक सर्वे के मुताबिक 1962 में देश में प्रति व्यक्ति मोटे अनाजों की

जनरल जोरावर सिंह के सम्मान में सेना ने निकाली बाइक रैली

बरेली, 09 जून (एजेंसियां)।

बरेली में जनरल जोरावर सिंह के सम्मान में जोरावर ट्रेल नाम से बाइक रैली निकाली गई। कुमाऊं के दुर्गम क्षेत्रों से गुजरकर बाइक रैली पराक्रम का परिचय देगी। इसका समापन उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में होगा।

बरेली में महान डोगरा सेनानायक जनरल जोरावर सिंह (भारत के नेपोलियन) को श्रद्धांजलि स्वरूप उत्तर भारत एरिया के राइडर्स ने जोरावर ट्रेल बाइक रैली निकाली। 28 सदस्यीय टीम आठ दिन कुमाऊं के विभिन्न धर्मस्थलों, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्रों का भ्रमण कर देश प्रेम का संदेश देगी। बाइक रैली का वर्चुअल शुभाभंग यूबी एरिया के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा (एवीएसएम) ने किया। रैली में भारतीय सेना के 24 पुरुष, और चार महिला राइडर्स समेत स्वयंसेवी राइडर्स भी शामिल हैं।

सैन्य अफसरों के मुताबिक, पंचशूल ब्रिगेड के तत्वाधान में



आयोजित रैली वीरता की भावना दर्शाते हुए जोरावर सिंह की विरासत से जुड़े ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों समेत दुर्गम इलाकों से गुजरेगी। योद्धाओं की विजय और सशस्त्र सेना के साहस का प्रदर्शन भी होगा। छह जून को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में संगीत समारोह के जरिए रैली का विश्राम होगा।

रैली गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब, काली माता मंदिर, ओम पर्वत, आदि कैलाश, पाकती कुंड, पंचचूली पर्वत श्रृंखला की तलहटी के गांव दुर्गू का दौरा करेगी। इस दौरान पूर्व सैनिकों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित करने के साथ ही पेंशन एवं अन्य

समस्याओं के समाधान का प्रयास करेंगे।

जनरल जोरावर सिंह का जन्म हिमाचल प्रदेश के कहलूर रियासत के चंदेल राजपूत परिवार में हुआ था।

डोगरा सेना के जनरल के रूप में उन्होंने वर्ष 1834 में लढ़ाख, 1840 में बाल्टिस्तान और 1841 में तिब्बत पर विजय हासिल की थी। इससे व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता आई। वह वर्ष 1841 में तिब्बत में तत्कालाकोट युद्ध में शहीद हुए थे। उनके सैन्य नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमताओं से डोगरा राज्य महान साम्राज्य बना।

फीसद है। एशिया के लिहाज से देखें तो यह हिस्सेदारी करीब 80 फीसद है। इसमें बाजरा एवं ज्वार हमारी मुख्य फसल है। बाजरा के उत्पादन में भारत विश्व में नंबर एक है। और, भारत में बाजरा उत्पादन में उत्तर प्रदेश नंबर एक है। भारत 2018 में ही मिलेट्स वर्ष मना चुका है। भारत की पहल पर ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया था। ऐसे में इस अभियान को आगे ले जाने की जिम्मेदारी भी भारत, खासकर उत्तर प्रदेश के योगी सरकार का है। डबल इंजन की सरकार (मोदी और योगी की सरकार) अपनी इस जवाबदेही से बखूबी वाकिफ है। इसलिए खेतीबाड़ी से संबंधित हर अभियान में मोटे अनाजों की खूबियों के प्रति लोगों को विशेष रूप से जागरूक किया जाता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान भी उन्हीं कार्यक्रमों की एक कड़ी है। अभियान के दौरान प्रगतिशील किसानों को मिनी किट के रूप में दिए जाने वाले निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण बीजों की इनके उत्प-ादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

अब तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में मिलेट रिवांल्यूशन का जिक्र कर इस

बाबत संकेत भी दे चुके हैं। उनकी मंशा के अनुरूप भारत सरकार ने मोटे अनाजों को पोषक अनाजों की श्रेणी में रखते हुए इनको प्रोत्साहन देने का काम शुरू किया है। इस दौरान प्रति हेक्टेयर उपज एवं उत्पादन के लिहाज से अब तक के नतीजे भी अच्छे रहे हैं। डबल इंजन सरकार से मिले प्रोत्साहन के कारण इनसे जुड़ी केंद्रीय संस्थाओं और प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों ने भी मोटे अनाजों के लिए बेहतरीन काम किया है। मसलन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च (आईआईएमआर-हैदराबाद) केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की मदद से टेक्नोलॉजी इनक्वैरेटर न्यूट्री हब की स्थापना कर नए स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है। स्टार्टअप शुरू करने वाले को हर तरह की मदद दी जाती है। यही नहीं मिलेट को बेस करके 500 से अधिक रसिपी (रेडी टू ईट, रेडी टू कूक) भी तैयार की जा चुकी है। मोटे अनाजों की अधिक उपज देने वाली एवं रोग प्रतिरोधक 150 से अधिक बेहतर प्रजातियां भी लांच की जा चुकी हैं। इनमें 10 अतिरिक्त पोषण वाली और 9 बायोफर्टिलाइड ब्रीडिंग के जरिए पोषक तत्वों को बढ़ाने वाली हैं।

बिजली निजीकरण के विरोध में उतरे किसान और उपभोक्ता संगठन

लखनऊ, 09 जून (एजेंसियां)।

यूपी में बिजली के निजीकरण के खिलाफ 22 जून को बिजली कर्मियों की महापंचायत होगी। इसमें कई किसान संगठनों का भी साथ मिलेगा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने 22 जून को लखनऊ में बिजली महापंचायत के बारे में आधिकारिक जानकारी दी। महापंचायत में देशभर के किसान और उपभोक्ता संगठन शामिल होंगे। पदाधिकारियों ने बताया कि महापंचायत के ऐलान के बाद कई संगठनों ने समिति से संपर्क किया है। शनिवार को बिजली कर्मचारियों ने सभी जिलों परियोजनाओं और राजधानी में बैठक कर निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन को और तेज व मजबूत बनाने की रणनीति बनाई। समिति के पदाधिकारियों की रविवार को हुई बैठक में छह माह से चल रहे आंदोलन की समीक्षा की गई। साथ ही 22 जून को लखनऊ में होने वाली महापंचायत पर चर्चा की गई। इस



दौरान पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि किसी भी कीमत पर निजीकरण मंजूर नहीं किया जाएगा।

संघर्ष समिति ने सरकार से पूछा है कि क्या निजी घरानों की सहूलियत के लिए 45 फीसदी संविदा कर्मियों को हटाया जा रहा है? पावर कॉर्पोरेशन के प्रपत्र में लिखा है कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल का निजीकरण नहीं हो रहा है, बल्कि सुधार किया जा रहा है। निजी क्षेत्र की 51 फीसदी और सरकारी क्षेत्र की 49 फीसदी भागीदारी होगी। क्या 51 फीसदी भागीदारी वालों का मालिकाना हक नहीं होता है? भाजपा ने 2017 के संकल्प पत्र में गरीबों को राहत देने की घोषणा की थी। ऐसे में गरीबों को मिलने वाला अनुदान बोझ कैसे हो सकता है?

51 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर निजीकरण करने से क्या सुधार की गारंटी है? ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया है कि 2017 में 41 फीसदी एटी एंड सी हानियां थी, जो घटकर 2024 में 16.5 फीसदी रह गई है। क्या यह सुधार काफी नहीं है?

निजीकरण के विरोध में प्रदेश में चल रहे आंदोलन के समर्थन में नौ जून को दिल्ली में नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक हुई। इसमें बिजली कर्मियों के चल रहे आंदोलन की समीक्षा के बाद राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की रणनीति बनाई गई। बैठक में ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन, ऑल इंडिया पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज (एटक), इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीटू), इंडियन नेशनल इलेक्ट्रिसिटी वर्कर्स फेडरेशन (इटक), ऑल इंडिया पावर मेंस फेडरेशन व अन्य संगठन शामिल हुए।

संपादकीय

आतंक जांचेगा आतंकिस्तान

आश्चर्य है कि जिस देश का पर्याय नाम 'आतंकिस्तान' हो, जो आतंकियों को फंडिंग के गंभीर आरोपों में 'फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स' (फाटफ) की 'ग्रेसुपी' में तीन बार डाला जा चुका हो, जिस देश में 'अलकायदा' के सरगना और 9/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को अमरीकी सैनिकों ने ढेर किया हो, जिस देश में पाले-पोसे गए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में, बीते 35 सालों में, करीब 45,000 मांसुम, बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हों, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जिन आतंकियों और उनके संगठनों पर प्रतिबंधों चप्पा की हैं, उस सूची में अधिकतर नाम जिस देश के आतंकियों के हैं। जिस देश के रक्षा मंत्री ने कबूल किया हो कि अमरीकी, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों की मदद के लिए उनके देश ने, बीते 30 सालों में, आतंकियों को पाला-पोसा था, उस देश का नाम पाकिस्तान है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को दो महत्वपूर्ण समितियों द्वारा भी मंहो दे दिए गए हैं। पाकिस्तान को 'तालिबान प्रतिबंध समिति' 'काउंटर टेरेरिज्म कमेट्री' का उपाध्यक्ष बनया गया है। पिछली कमेट्री में रूस और फ्रांस भी पाकिस्तान के साथ हैं और तालिबान वाली समिति में रूस और गायना को भी रखा गया है। बेशक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की व्यवस्था कुछ भी हो और हर माह ये पदेन जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर विवेक और बुद्धि का जड़ होना बेहद गंभीर संकेत है।

आप का नजरिया

छावणी क्षेत्रों से छूटते नागरिक

देश के सैन्य छावनी क्षेत्रों से बाहर होती जनता की मुसीबतें जरूरतें स्वाभामन की नई तहजीब में कुछ पाना चाहती हैं। ब्रिटिश काल की पद्धति में छावनी क्षेत्रों का प्रबंधन, एक सख्त अनुशासन परंपरा के तहत होता आया है, जहां नागरिक अधिकारों की गुंजाइश में आजादी के बाद का स्वतंत्र माहौल नहीं मिला। छावनी क्षेत्रों की नागरिक बस्तियों में कठोर दीवारें और प्रतिबंध रहे, जो अब आफत बन कर दर्ज हो रहे हैं और इस तरह की व्यवस्था से मुक्त होकर नागरिक एहसास को सामान्य नागरिकों की स्थानीय निकायों में खुली सोख लेने का रास्ता खोला जा रहा है। सैन्य छावनीयों से मुक्त होता नागरिक एकांत अब इस मोड़ पर है कि आने वाले दिनों में 36 और क्षेत्रों के पिंजरे पूरी तरह खोल दिए जाएंगे। हिमाचल में पहले ही योल छावनी नागरिक समाज को अलविदा कह चुकी है और अब सुबाथु, डगशाई, कसौली, डडहली, बलवाह व जगत जै से छह इलाके भी उन्मुक्त हवाओं के बाशिंदे बन जायेंगे। यह जरूरी कदम हो सकता है, क्योंकि स्वतंत्र भारत में नागरिक समाज का दरौं, सियासत के परिदृश्य में अपने हर आसमान को खोलना चाहता है। दरअसल छावनी क्षेत्रों की छेड़खाल में बजटीय प्रावधान कमजोर होते चले गए और अंजाना राज्य की योजनाएं भी अछूत बनी रहीं। राष्ट्रीय व राज्यीय व्यवस्था से अलग छावनी क्षेत्रों की सामान्य जनता पर अनुशासन के पहरो में जीना मुहाल हुआ, तो इसी आबादी से निकले मोर्चे खुद को बाहर निकालने का संघर्ष करते रहे। अब अगर 36 छावनी क्षेत्रों का नागरिक प्रबंध अलग कर दिया जाता है, तो करीब 3 लाख की आबादी को संपत्ति बदल जाएगी। उनके कदम, उनकी मंजिलें बदल जाएंगी। हिमाचल के भीतर योल छावनी के बाबा बने छह क्षेत्र भी इस अभिप्राय से एक नई सुबह की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह दीवार है कि इस छूट के आगे का समर्थ सुनिश्चित और पुख्ता करना चाहिए। कल अगर ये सारे क्षेत्र स्वयं को ग्रामीण घोषित करके पंचायत की चौपाल सजा लें, तो उन परंपराओं और व्यवस्था का क्या होगा, जिसके तहत नागरिक जीवन के कई दशक गुजरे हैं। उदाहरण के लिए योल छावनी क्षेत्र में एक बड़ा नागरिक समुदाय छावनी अलग पुरानी व्यवस्था से अलग होकर ट्रिंकुश चौहाह पर खड़ा है। कानोवेश छावनी क्षेत्र में रहते हुए नागरिकों को दैफिका, जल व विद्युत आपूर्ति, संचार व्यवस्था, शहरी जीवन की कठिनाइयाँ तथा सैन्य प्रबंधन के बीच आस-पास का अनुशासित बोध होता था। कल योल छावनी की तरह कसौली में नागरिक कब्जा खुद को गांव घोषित कर दे या सुबाथु की जनता पंचायत पर एक करीब खड़ी हो जाए, तो उनकी गलियाँ में आएंगी गंदगी की बरसात और नालियों में बहना सियाव। अतः छावनी क्षेत्रों से बाहर निकले हुए नागरिक समाज को टीसीपी के दायरे में शहरी निकायों के तहत लाना होगा, ताकि परिवेश के उच्च मानदंडों में व्यवस्था बनी रहे। योल छावनी से बाहर जनता तो छिटक गई, लेकिन वर्षों से जारी व्यवस्था बिखर गई। दोनों व्यवस्थाओं के बीच अपसी द्रष्ट बंध गए, नतीजतन आर्मी एग्रा के दीनों के बीच गंदगी और अव्यवस्था का आलम तकलीफदेह हो गया है।

अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे दो दमदार और धुर विरोधी कांग्रेस नेताओं की मूलाकात से सियासी हलकों में हलचल है

दोनों नेता तो मिले, लेकिन दिल भी मिलें, तो बात बने!

राकेश दुबे

राजस्थान की राजनीति में इस मुलाकात के माध्यम तलाशे जा रहे हैं। दोनों नेताओं के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण रहें हैं। राजस्थान में दिसंबर 2018 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद जब पायलट मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी प्रबल दावेदारी जता रहे थे, तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री और पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया था। इसके बाद से ही पायलट लगातार नाराज रहे और महज डेढ़ साल में ही दोनों ने नेताओं के बीच मुकदमे गहरे हो गए। पायलट ने जब उप मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहते हुए, मानसे से अपनी ही पार्टी की सरकार पलटने की कोशिश की थी, और गहलोत ने बाद में पायलट को 'निकम्मा' और 'नकारा' तक कहा था।

वैसे

वैसे तो दो नेताओं का मिलना बहुत आम बात है, लेकिन अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे दो दमदार और धुर विरोधी कांग्रेस नेताओं की मुलाकात से सियासी हलकों में हलचल है। राजस्थान की राजनीति में इस मुलाकात के मायने तलाशे जा रहे हैं। दोनों नेताओं के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण रहे हैं। राजस्थान में दिसंबर 2018 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद जब पायलट मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी प्रबल दावेदारी जता रहे थे, तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री और पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया था। इसके बाद से ही पायलट और गहलोत पर नाराज हो गए। पायलट ने जब उप मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहते हुए, मानसरे से अपनी ही पार्टी की सरकार पतन देने की कोशिश की थी, और गहलोत ने बाद में पायलट को 'निकम्मा' और 'नकारा' तक कहा था। इस ताज्जुब मुलाकात को कोई गहलोत की जादूदारी बताता है, तो कोई विमान को उड़ाने के लिए रनवे पर आने की पायलट की कमजबूरी। हालांकि पायलट का गहलोत से मिलने जाना और दोनों के द्वारा इस मुलाकात को सार्वजनिक करना, एवं यशतांति के दिनों के व्यक्तिगत मतभेदों को पीछे छोड़कर एक्सरे से काँस के को मजबूत करने की सोच रहे हैं। लेकिन इससे वास्तविक परिणामों के लिए अभी लंबी प्रतीक्षा करनी होगी, क्योंकि राजनीति में नेता तो आसानी से मिल लेते हैं, मगर दिल आसानी से नहीं मिलते। गहलोत और पायलट, दोनों ने 7 जून की अपनी मुलाकात तो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करके एक सकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की। गहलोत ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर लिखा - अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने आवास पर पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष पद. राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। मैं और राजेश पायलट जी ने 1980 में पहली बार एक साथ ही लोकसभा पहुंचे एवं लगभग 18 साल तक साथ में संघर्ष रहे। उनके आकस्मिक निधन का दुःख हमें आज भी बना हुआ है। उनके जाने से पार्टी को भी गहरा आघात लगा। दूसरी तरफ सचिन पायलट ने भी नए तुलु शब्दों में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा - आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी से मुलाकात की। मेरे पिता स्व. राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि पर 11 जून को दोसा में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में उन्हें शामिल होने के लिए निवेदन किया। सियासी हलकों में इस मुलाकात के गहरा



राजनीतिक निहितार्थ रखे जा रहे हैं। नई दिल्ली में कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों पर गहन नजर रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार अशोक शर्मा को पायलट का करीबी माना जाता है। उन्होंने 'एक्स' पर एक बयान इतना ही लिखा कि समय ही बतलाव होता है। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार, भारत सरकार के नागरिक विमानन राज्य मंत्री रहे गहलोत से पायलट की इस मुलाकात पर उद्युधन सिद्धांतों का हवाला देते हुए कहते हैं कि विमान को जब नई उड़ान भरनी हो, तो पायलट को अपना विमान रन वे पर लाना ही पड़ता है। परिहार कहते हैं कि गहलोत और पायलट की मुलाकात का अभाव तभी स्पष्ट होगा, जब दोनों कांग्रेस को फिर से सुना में लाने के लिए काम करेंगे। पायलट गहलोत शरत कुमार अपने एक वीडियो में कहते हैं कि वरिष्ठ पत्रकारों से मिलने की जो पहलकदमी है, उसके बाद अब गहलोत पर बड़ी जिम्मेदारी है कि वे भी अपना बड़ा दिल दिखाएं। पायलट के कट्टर समर्थक शरत कहते हैं कि दोनों नेताओं के बीच की ये विचारस बहाली अगर क्या गुल खिलाती है, यह तो पता नहीं, लेकिन कांग्रेसी इससे खुश हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति जानने वाले वरिष्ठ पत्रकार संदीप सोमवलकर इसे पायलट का राजनीतिक समर्पण मानते हैं। सोमवलकर कहते हैं कि गहलोत के प्रति आलाकामिक के अब तक के राजनीतिक रवैये से संचिन को समझ में आ गया है कि उनसे टक्करवा छोटकर सामंजस्य किए बिना राजस्थान में अग्रना आसान नहीं है। राजस्थान के प्रमुख न्यूज चैनल 'फर्स्ट इंडिया' के सहयोगी संपादक नरेश शर्मा कहते हैं कि इस मुलाकात में गहलोत ने भी बड़ा मन दिखाकर पुराने विवादों को भुलाया और राजेश पायलट की पुष्पतिथि के सभार में जाने का मन बनाया है। उल्लेखनीय है कि सन 2018 में अशोक गहलोत जब तीसरी बार प्रदेश के

मुख्यमंत्री बनें, तो सत्ता पाने में नाकामयाब रहे पायलट लगातार नाराज रहे। उप मुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पदों पर रहते हुए पायलट की पार्टी विरोधी गतिविधियाँ देखी गईं और दोनों पदों से जून 2020 में उनको बर्खास्त किया गया। उसके बाद से ही राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी की खाई पहले से कुछ ज्यादा बढ़ गई, और दुरास का दौर भी लगातार जारी रहा। कुछ लोग गहलोत और पायलट की इस मुलाकात को कांग्रेस में गुटबाजी समाप्त करने और एकता के नए अध्यास सहित भविष्य की रणनीति के मजबूत संकेत के रूप में देख रहे हैं। तो कुछ का कहना है कि बहुत संभव है कि राजेश पायलट की पुनर्गतिथि के बहाने गहलोत को अपने पक्षीन के लिए पायलट का दांव हो, यह भी संभव है कि उसने आप को विनमता की मूर्त के रूप में स्थापित करने के साथ ही सदाशयता से सबको साथ लेकर चलने वाला साबित करने की भी पायलट की कोशिश हो। वैसे, माना जा रहा है कि यह मुलाकात कांग्रेस की आंतरिक एकता को मजबूत करने का संदेश है। क्योंकि गहलोत और पायलट के बीच की खटास ज्यादा बढ़ने का कारण सन 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार को माना गया। लगभग जती हुई बाजी खोखल हार गई थी। कांग्रेस नेता पूर्ण राज्यापाल मलिक ने खुल कर कहा था कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने देने में पायलट का ही सबसे बड़ा हाथ रहा। क्योंकि पायलट को लग रहा था कि कांग्रेस की सरकार फिर बन गई, तो अयोग्य गहलोत ने ही मुख्यमंत्री बनेंगे, इसी कारण उन्हीं ने कांग्रेस के उम्मीदवारों का हराया और अपनी जाति के गुर्जर लोगों को कांग्रेस को मत देने के लिए प्रेरित किया। मलिक के इस बयान को कांग्रेस नेतृत्व भी गंभीरता से लिया था। लेकिन, अब उसी तस्वीर में देखें, तो पायलट का गहलोत के घर जाना और उनसे मुलाकात करना, दोनों नेताओं के बीच सुलह के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। खासकर तब, जब 2028 के राजस्थान विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस की नजर हैं। राजनीतिक ताकत देखें, तो कांग्रेस में गहलोत और पायलट दोनों की अपनी-अपनी क्षेत्रीय और सामाजिक पकड़ है। मुख्यमंत्री रहते हुए गहलोत ने जो जनहित के जो लोकप्रिय योजनाएं चलाईं, उनको प्रदेश की जनता आज भी याद कर रही है। अतः यह मुलाकात राजस्थान में कांग्रेस की जमीनी स्तर पर मजबूती के लिए रणनीतिक कदम हो सकती है। गहलोत का राजनीतिक प्रभाव, उनके अनुभवी नेतृत्व और ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत आधार पर टिका है, जबकि पायलट युवा नेतृत्व और गुर्जर समुदाय में अपनी लोकप्रियता के लिए जाने जाते हैं।

देश दुनिया से

नशे का राक्षस : कारण एवं निदान

आज

आज प्रदेश के युवा वर्ग में नरेश का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। तथ्य उसी प्रकार नरेश से हो रही मौतों का आंकड़ा भी दिना प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि इस समय हिमाचल प्रदेश की कुल जनसंख्या में 35.25 प्रतिशत युवा हैं। राष्ट्रीय स्तर पर 34.80 प्रतिशत से भी अधिक है। युवा शक्ति ही देश व प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के आधार हैं, इसलिए युवाओं को नरेश से बचाने के लिए सार्थक रूप से पहल करनी होगी, ताकि युवा सही दिशा में आगे बढ़ सकें। अगर युवा शक्ति नरेश की चपेट में आ रही है, तो नरेश रूपी राक्षस को किस तरह समाप्त किया जा सके, इस विषय में समाज को गंभीर चिंतन करना होगा। एनएसआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में विभिन्न राज्यों में नशाले पदार्थों से संबंधित अपराधों की दर अलग-अलग है, लेकिन एक बात साफ है कि नरेश का जो प्रचलन पूरे देश में सामान्य तरीके से बढ़ता जा रहा है, इसके कई कारण हैं। इन कारणों में मुख्य रूप से निर्धन्य जीवन शैली होना, युवा वर्ग को उचित मार्गदर्शन का अभाव, पारिवारिक कलह, माता-पिता द्वारा बच्चों की तरफ ध्यान न देना, गलत संस्कार, अवसाद, तनावग्रस्त रहना, प्रेम में हताशा महत्वाकांक्षी होना, हाई प्रोफाइल जीवन शैली की लालसा, समाज में नरेश को शान का प्रतीक समझना, नरेश की उपलब्धता एवं पहुंच आसान होना एवं अन्य मनोवैज्ञानिक कारण भी नरेश की लत के कारण हैं। नरेश की आदत अन्य जघन्य अपराधों की जननी है। नरेशों बच्चे घर में चोरियां करके के अतिरिक्त अपने माता-पिता से मारपीट तथा उनकी हत्या करने में भी हिचकते नहीं हैं। इसलिए जरूरी है कि नरेश रूपी राक्षस को जड़ से खत्म किया जाए। निर्धन्य जीवन शैली : यह सत्य है कि आज से 20-25 साल पहले हिमाचल प्रदेश में चिट्ठा, हिरोइन, एलएसडी या अन्य सिंथेटिक ड्रग्स की उपलब्धता नहीं थी लेकिन उस समय गांव के लोगों की जीवन शैली भी सक्रिय थी। उस समय की दिनचर्या में सुबह उठते ही गांव के लोग या-भैंसों को चराने, खेतों में

व्यस्त रहते, दूर-दूर से पानी एवं चूल्हे के लिए लकड़ी लाते एवं प्रकृति के नजदीक रहते। नगरों और शहरों में व्यक्ति सुबह और शाम के समय खेलते और पैर करते, युवा वर्ग घर के कामकाज व स्कूल के कार्य को खत्म कर खेलों में व्यस्त रहता था। इस व्यस्तता के चलते व्यक्ति को नशा करने या अन्य नकारात्मक बातों को सोचने का समय ही नहीं मिलता था। इसके विपरीत आज के युवा वर्ग को खेलों के प्रति कोई दिलचस्पी नहीं है व न ही वे घर का कार्य करते हैं। आज का युवा घर के कामकाज में हाथ नहीं बंटता है, जिसके कारण उसका दिमाग अन्य कार्योंकालपो में न लगकर नशे के प्रति उसका झुकाव बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग : सोशल मीडिया और ड्रग्स की लत दोनों ही गंभीर समस्याएँ हैं जो व्यक्ति के जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं तथा सोशल मीडिया के अत्यधिक प्रयोग के कारण आज का नौजवान नशाखोरी की आदत की तरफ आकर्षित हो रहा है। सोशल मीडिया पर लाइक, कमेंट्स व अन्य प्रतिक्रियाओं से डोपामाइन नामक रसायन का साव होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है, इसका अत्यधिक प्रयोग हमें वास्तविक जीवन से दूर करता है। सोशल मीडिया की तरह जब कोई व्यक्ति ड्रग्स, शराब या कोई और नशा करता है, तब भी डोपामाइन हार्मोन रिलीज होता है जो उसे खुशी का अहसास देता है। ऐसे में पड़ती पाने के लिए व्यक्ति को दीर्घकालिक प्रयत्न से मानव मस्तिष्क की रसायनिक प्रणालियों में भी परिवर्तन आता है। लेकिन जब बच्चों के मस्तिष्क में ये परिवर्तन आते हैं, तो नाज दिखाने जानकारों के अभाव में इन परिवर्तनों को नजर अंदाज कर रहे हैं तथा बच्चों में आए चिड़चिड़ापन, धैर्य की कमी, छोटी छोटी बातों पर लड़ाई, बच्चों की जीवनशैली में परिवर्तन, घर में चोरी आदि की घटनाओं को आज भी दैवीय शक्ति के नाराज होने व दैवीय प्रकोप मानते हैं, जिसके कारण वे अंधविश्वास का शिकार

होते हैं तथा चेलों या बाबाओं के पास इनका आना-जाना लगा रहता है। बच्चों के मार्गसिक पटल पर आए परिवर्तनों को समझ नहीं पाते हैं तथा उनका बच्चा नहीं की गिरफ्त में गंभीर रूप से फंस जाता है। एक अध्ययन के अनुसार इंटरनेट के प्रयोग द्वारा सबसे बड़ी डाक वेब वेबसाइट्स में 50 ऐसे बाजार हैं, जहां पर बड़े पैमाने पर अवैध ड्रग्स बच ऑनलाइन कारोबार हो रहा है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नौजवान जो कुछ भी देखते हैं, उसके प्रभावों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं, क्योंकि यह आयुधों से साधियों के प्रभाव और दबाव के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। संतान की परवरिश में कमी: कई बार देखा गया है कि बच्चों को बिगाड़ने में माता-पिता भी दोषी होते हैं। माता-पिता अपने बच्चों को सारे सुख एवं सुविधाएं बिना मेहनत के उपलब्ध करने की कोशिश करते हैं। जैसे कि उनका बच्चा वास्तविक जिंदगी जीने में असफल होता है। इसका खामियाजा उन्हें उनके बच्चों द्वारा गुलत संगत में पड़कर, ज़रूरी होने के कारण भुगतान पड़ता है। अतः च्यसि है कि माता पिता अपने बच्चों को वास्तविक जिंदगी में आने वाले संघर्षों और कठिनाइयों के बारे में भी बताएं। बच्चों का तनावग्रस्त रहना: आधुनिक जीवनशैली और बच्चों में तनाव के बीच गहरा संबंध है। आधुनिक जीवन में बच्चों को कई तरह के तनाव का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि परीक्षा का दबाव, सोशल मीडिया का प्रभाव और परिवार की अपेक्षाएं। ये तनाव बच्चे के मार्गसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकते हैं। बच्चों को अनावश्यक दबाव या तनाव से बचाने के लिए माता-पिता को चाहिए कि अपने बच्चों की महत्ता को भी ध्यान एवं धैर्य से समुचित तथा उन्हें यह महसूस कराने दें कि उनकी राय मानने रखती है। गुलत संगत: एक कहावत है 'काजल की कोठरी में कैसा हू, इसका नाम जाय एक लीक काजल की लगे है तो लगे है', इसका भावार्थ है कि आप कितने ही अच्छे हों, अगर आपको संगत बुरी है तो उसका असर तो पड़ ही जाता है।

ना जाने बंदर को क्या सूझी, अदालत परिसर में रहने लगा। खुली सिड्कियों के आरपार बसने लगा। कितनी विडंबना थी कि अदालत परिसर में यह बंदर निरंकुश था। वह न्याय मांगने आए लोगों को डराता। उसने ईश्वर शपथत्रयी भी खेल खेल में फाड़ दिया। अब अदालत आने वाले, हर पेशी में इसलिए डरते थे कि कहीं 'बंदर' न देख ले। उसकी अपनी बिरादरी में भी जायक थी। गाहे बगाहे वह बंदर समाज को डरा देता रहता, बल्कि शहर के बंदर उसके कहे को मानकर अब हमेशा अलग ही लेबल पर रहने लगे थे। उस दिल में अदालती बंदर के एक भक्त बंदर ने सच्ची वाले से सेब चुग लिया। सच्ची वाले ने उसे डांटा नहीं। वह किस किस को डांटे। वो चौराहे पर खड़ा सिपाही हर दिन उठाईंगर बनकर, किसी न किसी ऊपर वाले के नाम नजरबंद चोरी ही तो करता है। खैर बंदर का सेब उठाना आवारा कुत्तों को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने डट कर पीछा किया, जो उसे भौके पर बंदर ने सेब नहीं छोड़ा। इस बंदर को अदालती बंदर ने सलाह दे रखी थी, लिहाजा उसने सेब का छोटा टुकड़ा एक कुत्ते की चरण पर उछाल दिया था। कुत्ते बंदर को भूल कर अपनी ही बिरादरी के उस कुत्ते के पीछे पड़ गए। बंदर पेड़े से हंस रहा था, एक टुकड़े की खातिर वो कुत्ता अपनों से ही काटा जा रहा था। कुत्ते अब इस बंदर से डर रहे थे। रविवार के दिन शहर के सारे बंदर अदालती बंदर से सलाह करते। ऐसी ही बैठक में अदालती बंदर के सामने सवाल आया, 'हुजूर, हम कब तक गरीब रहेड़ी वालों, राशरीरों से शरीरकार या डस्टबिन में दूँदकर खाएंगे। अब तो हनुमान मंदिर के केले भी हमें नहीं मिल रहे। क्या हमें मुख्यमंत्री के आवास पर खाना मिलेगा। सचिवालय में लगे जाँच या विधानसभा परिसर में फिर छुपाएँ।' अदालती बंदर ने कुछ समय गांगा। बैठकें होती रहीं, लेकिन फैसला नहीं मिला। इस बीच वह अदालत परिसर की जासूसी करने लगा। वह इतना समझ चुका था कि अगर दलील और वकील ठीक हो तो सभी कमा सकते हैं। कुछ ही महीनों में हनुमान मंदिर के बंदरों ने कोर्ट परिसर जगान कर लिया। अदालत आने वाले बंदरों के भी शेरकार हो रहे थे। धीरे-धीरे अदालत आने वालों ने बंदरों की उगाही को समझते हुए कुछ न कुछ लाना शुरू कर दिया। लाभांग अदालत की हर कोर्ट की छत के ऊपर कोई न कोई बंदर हर समय उछलने लगा। बंदर न्याय प्रक्रिया के सक्षी बन चुके थे। उस दिन अदालत में हलवाई का केंस चल रहा था। फ्रीड स्पेक्टर के कहने पर वकील सबीत कर रहा था कि उसकी बनाई मिठाई मिलावटी है। उसके को, चीनी और खोये पर शक था कि उसी मिलावटी हैं। दलील पर दलील अंततः पेशियों में बदल गई। मिलावटी चीनी के लिए अंगा आने वाला किसान पेशी भुला गया। नकली को और खोये के लिए अंगा गाय को मालिक सहित बुलाया गया। गाय के समर्थन में सारे बंदर थे। इससे पहले कि गाय से पूछा जाता, वह अदालत परिसर में गोबर और गोमूत्र फैला चुकी थी। मामला अब अदालत से ऊपर गोमाता का था। मुसीबत यह थी कि अदालत अगर कार्रवाई नहीं रखती तो गोमाता का अपमान होता और अगर गोमूत्र-गोबर को साफ न कवायती तो कानून का अपमान होता।

दृष्टि

कोण

पाकिस्तान की बढ़ती आर्थिक मुश्किलें



निर्भर्य करना होगा। वस्तुतः 20वीं सदी की जंग तेल पर थी, 21वीं सदी की जंग पानी पर होगी और पाकिस्तान इस समय दुनिया के पानी की कमी वाले शीशों देशों में शामिल है। ऐसे में इस बीच जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 27 मई को तेहरान में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि हम भारत के साथ सिंधु जल संधि समझौते सहित सभी मुद्दों पर वार्ता के लिए तत्परता से तैयार हैं, तब पूरी दुनिया में हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा की गई यह संधि पर ज्वलंत जोर रहा। मोदी ने अरब और खून एक साथ नहीं बह चुके हैं। पहले भारत के हक का पानी भी भारत से बाहर जा

संस्थान की भी भारत को ओर नहीं देगा। जल संधि को लेकर का नाम नहीं हमले के बाद निर्बलित कर परेशान पाकिस्तान रहा है। 6 जून को का आखिरी संधि को निर्बलित

त का पानी भारत के हक में एक में रुकेगा और भारत के ही प्रदेश साह है कि अब भारत इस न सिर्फ नहीं करेगा। साथ ही इस बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने न सिर्फ में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय गतिविधि पर महत्वपूर्ण है और वह विकास के निर्लभ पर कोर देखल नीय है कि इस समय सिंधु जल पाकिस्तान की मुश्किलें कम होने दी हैं। चूंकि पहला लगाम अंतर्गत भारत ने सिंधु जल सौंकों बा है, अतएव पानी संकट से न लगाता भारत से गुहार लगा पाकिस्तान ने भारत को चार फैसेल पर फिर से विचार करने हैं। दूसरी तरफ भारत ने जल करने के फैसले के पीछे सीमा

पार आतंकवाद को जल परियोजनाओं को आपत्ती नहीं। निश्चित रूप से पर आर्थिक दबाव कठोरतापूर्वक परिणामों आगे बढ़ते हुए हिंद महासागर महत्वपूर्ण है एकात्मता प्राथमिकीय लक्ष्य के ग्रैलिस्ट में वापस भारत ने हाल ही के लिए आतंकवादी के लिए एक एफएटीएफको को इस संस्था के निर्धारित किया गया एफएटीएफको के एक जिम्मेदार माली लॉर्ड्स में शामिल संस्थाओं एफएटीएफ से अंतरा राष्ट्रीय पाकिस्तान पर कार्य

पार आतंकवाद को कारण बताया है। साथ ही जल परियोजनाओं को लेकर भी कुछ तकनीकी आपत्तियाँ हैं। निश्चित रूप से भारत पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा के कठोरतापूर्वक परिपालन की डगर पर भी तेजी आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत पाकिस्तान को फायदाप्राप्त एक्सन टॉस्क फोर्स (एफटीएफ) की ग्रेलिस्ट में वापस लाने की तैयारी कर रहा है। भारत ने हाल ही के दिनों में वैश्विक मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ को इस संबंध में जानकारी दी है। यह निष्कर्षित किया गया है कि भारत की तरफ से एफएटीएफ को एक विस्तृत डोजियर भेजा जाएगा जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद को फंडिंग में शामिल संस्थाओं और लोगों के सबूत होंगे और एफएटीएफ से अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।



पत्रकार ने सुनवाई आपबीती, कनाडा को बर्बाद कर देंगे खालिस्तानी

ओटावा, 09 जून (एजेंसियां)।
कनाडा के मीडिया और संस्थानों में इस गंभीर विषय पर चुप्पी चिंताजनक है। राजनीति में ऐसे तत्वों के लिए कोई जगह नहीं होगी चाहिए, जो हिंसा को बढ़ावा देते हैं और अपने विचार दूसरों पर थोपते हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन 17 जून को अल्बर्टा में होने वाला है।

जिसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आउटरीच सत्र में भाग लेने का निमंत्रण मिला है। हालांकि उनकी यात्रा की अभी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर भारत की चिंता लगातार बनी हुई है। पत्रकार ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। उन्होंने मार्च 2024 में भी ऐसी ही एक घटना रिपोर्ट की थी जब एडमंटन में भारत के उच्चायुक्त के विरोध में खालिस्तान समर्थक तलवार, खंजर और भाले लेकर इकट्ठा हुए थे। बेजिरगन ने कहा कि खालिस्तान आंदोलन मुख्य रूप से सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) नामक समूह द्वारा संचालित है जिसे विश्व सिख संगठन (डब्ल्यूएसओ) जैसे राजनीतिक संगठनों से समर्थन मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये

संगठन कनाडा की राजनीति में गहरी पैठ बना चुके हैं, जिनके साथ पूर्व और मौजूदा सांसदों तक के संबंध हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कनाडा के नेता ऐसे तत्वों को न सिर्फ पहचानते हैं, बल्कि मंच साझा करते हैं। उदाहरणस्वरूप, उन्होंने बताया कि हाल ही में सरे नगर कीर्तन के दौरान कुछ कनाडाई सांसदों ने संतोख सिंह केल्ला के साथ मंच साझा किया, जिन पर हवाई बम विस्फोट की साजिश का दोष है। बेजिरगन ने कहा कि वे इंदिरा गांधी के हत्यारों की प्रशंसा कर रहे हैं। यह बेहद खतरनाक और लोकतंत्र विरोधी है [जी-7 सम्मेलन से पहले कनाडा से एक चौकाने वाला बयान सामने आया है। खोजी पत्रकार मोचा बेजिरगन ने खुलासा किया है कि

कनाडा की धरती से चल रहे खालिस्तानी उग्रवादी गतिविधियों से भारत के नेताओं को सीधा खतरा है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि बैकूवर में एक खालिस्तान समर्थक रैली को कवर करते वक़्त उन पर हमला हुआ। इस दौरान उनसे उनका फोन छीन लिया गया और रिकॉर्डिंग से रोकने की कोशिश की गई। बेजिरगन ने कहा कि 'मैं अभी भी कांप रहा हूँ। दो घंटे पहले मुझ पर हमला हुआ। वे गुंडों की तरह व्यवहार कर रहे थे। मेरा फोन छीन लिया और मुझे धमकाया गया।' उन्होंने इस हमले को अपनी निष्पक्ष रिपोर्टिंग का नतीजा बताया और इसे कनाडा में खालिस्तानी ताकतों की बढ़ती धमक का प्रमाण कहा।

न्यूज़ ब्रीफ

गूगल का अगला सीईओ कौन सुंदर पिचाई बोले- एआई निभाएगा अहम भूमिका



वाशिंगटन। गूगल का अगला सीईओ कौन होगा कंपनी के मौजूदा सीईओ सुंदर पिचाई ने इसका जवाब दिया है। पिचाई ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) गूगल के भविष्य के नेतृत्व में अहम भूमिका निभाएगा। भविष्य में गूगल को इसान चलाएगा या एआई इस सवाल का जवाब देते हुए पिचाई ने कहा कि मुझे लगता है कि जो भी इसे चलाएगा, उसके पास एक असाधारण एआई साथी होगा। पिचाई 2015 से कंपनी का नेतृत्व कर रहे हैं, वे को-फाउंडर लैरी पेज के उत्तराधिकारी हैं। पिचाई ने कहा कि गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट कम से कम 2026 तक इंजीनियरों की भर्ती करती रहेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी के एआई निवेश बढ़ाने के बावजूद भी ह्युमन टैलेंट जरूरी बना रहेगा। पिचाई ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हम अपने मौजूदा इंजीनियरिंग बेस से अगले साल भी आगे बढ़ेंगे क्योंकि यह हमें अवसरों के क्षेत्र में और ज्यादा काम करने की अनुमति देता है। मैं इसे इंजीनियरों को नाटकीय रूप से ज्यादा प्रोडक्टिव बनाने के रूप में देखता हूँ। माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने इस साल काफी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, जो आंशिक रूप से एआई में लीडशिप तय करने के लिए जरूरी भारी निवेश को दर्शाता है। नौकरी से निकाले जाने से इस बात की आशंका बढ़ गई है कि टेक्नोलॉजी कुछ नौकरियों की जगह ले लेगी। गूगल ने भी रिसोर्सज को फ्री करने के लिए हाल के सालों में छंटनी के कई दौर चलाए हैं।

व्हाट्सऐप पर आया नया ऐनिमेशन फीचर



सैन फ्रांसिस्को। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप पर एक नया ऐनिमेशन फीचर ऐप पेश किया गया, जो यूजर्स के लिए एक नया और खास अपडेट पेश किया है। इस नए ऐप में फोटो और वीडियो शेयरिंग के अनुभव को और भी बेहतर बना देगा। यह नया फीचर एक ऐनिमेटेड ट्रांजिशन से जुड़ा है, जो यूजर द्वारा किसी इमेज या वीडियो को भेजते समय एक स्मूद और विजुअली आकर्षक अनुभव देता है। दरअसल, पिछले महीने यह फीचर आईओएस बीटा वर्जन 25.15.10.74 में देखा गया था, और अब इसे एंड्राइड यूजर्स के लिए भी रोलआउट किया गया है। वाबेटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह फीचर गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध व्हाट्सऐप बेटा फार एंड्राइड 2.25.18.5 में देखा गया है। नए ऐनिमेशन फीचर का उद्देश्य यूजर के मीडिया शेयरिंग इंटरफेस को मॉडर्न और इंटरएक्टिव बनाना है। जब कोई यूजर डॉइंग एडिटर से इमेज या वीडियो को एडिट करने के बाद भेजता है, तो एक विजुअल ट्रांजिशन शुरू होता है। इस ट्रांजिशन में फोटो या वीडियो का फ्रैम डॉइंग एडिटर से निकलकर धीरे-धीरे आउटगोइंग मेसेज एरिया में पहुंचता है और फिर स्मूद तरीके से गेट बबल में जुड़ जाता है। यह प्रक्रिया रियल-वर्ल्ड जेन्सर की तरह महसूस होती है, जिससे यूजर को ऐसा लगता है जैसे वह मीडिया को हाथ से खींचकर भेज रहा हो। इस ट्रांजिशन में कटीन्यूटी की भावना को महत्व दिया गया है ताकि यूजर को मीडिया भेजते समय किसी तरह की कट या झटका महसूस न हो। यह न सिर्फ देखने में शानदार है, बल्कि ऐप के यूजर इंटरफेस को और अधिक सहज और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वर्तमान में यह फीचर सीमित बीटा यूजर्स के लिए उपलब्ध है और इसकी रेटिंग चल रही है।

अमेरिका की टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री को घुटनों पर लाना चाहता है चीन

बीजिंग। बीते हफ्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनिपिंग के बीच एक खास फोन कॉल हुआ। चर्चा थी क्या चीन रेयर अर्थ मैनेट्स के निर्यात पर लगाई गई पाबंदियों में ढील देगा लेकिन इस बातचीत से कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उल्टा चीन ने अप्रैल से इन मैनेट्स को अपने 'कंट्रोल लिस्ट' में डालकर पूरी सप्लाई चेन पर सरकार की मुहर लगा दी है। यानि अब कोई भी कंपनी इन मैनेट्स को चीन से बाहर नहीं ले जा सकती जब तक उसे सरकार से लाइसेंस न मिले। और इस प्रक्रिया में इतना वक़्त और पैसा है कि अमेरिका और जापान की कंपनियों को अपने प्रोडक्शन तक रोकने पड़ गए हैं। यूरोप में तो कुछ ऑटो पार्ट कंपनियों की फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हो गई हैं।

अमेरिका से निर्वासित किए गए 37 नेपाली नागरिकों को चार्टर्ड विमान से काठमांडू लाया गया

काठमांडू, 09 मई (एजेंसियां)।
 अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे 37 नेपाली नागरिकों को रविवार की देर शाम को एक विशेष चार्टर्ड विमान से निर्वासित किए जाने के बाद त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। काठमांडू पहुंचने पर निर्वासितों को तुरंत नेपाली आप्रवासन अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों द्वारा पृष्ठताल करके उन्हें अपने गंतव्य तक जाने दिया गया। नेपाल के आप्रवासन विभाग के अनुसार, निर्वासित लोगों में वे व्यक्ति शामिल हैं जो या तो अपने वीजा से अधिक समय तक रहे थे, या अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर चुके थे, या अपनी आप्रवासन स्थिति को नियमित करने में विफल रहे थे। निर्वासित लोगों से पृष्ठताल के बाद आप्रवासन अधिकारियों ने बताया कि कुछ को कथित तौर पर त्वरित निष्कासन प्रक्रियाओं के तहत भी हिरासत में लिया गया था। यह एक ऐसी नीति है जो अमेरिकी अधिकारियों को पूर्ण अदालत की सुनवाई के बिना भी अनिर्दिष्ट प्रवासियों को निर्वासित करने की अनुमति देती है यदि वे दो साल से कम समय से अवैध रूप से देश में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद नए सिरे से आब्रजन प्रवर्तन नीतियों के तहत अन्य देशों की तरह ही नेपाली नागरिकों का निर्वासन बढ़ गया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 में अब तक 150 नेपालियों को अमेरिका से निर्वासित किया गया है जो पूरे 2024 में निर्वासित की गई संख्या से दोगुने से अधिक है। यहां तक कि जिन लोगों ने पहले अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) के तहत शरण लिया था उन्हें भी निर्वासित होने के लिए कह दिया गया है। ट्रम्प प्रशासन ने अभी कुछ दिन पहले ही औपचारिक रूप से नेपाली नागरिकों के लिए टीपीएस को समाप्त कर दिया – एक ऐसी नीति जिसने एक बार 2015 के भूकंप के बाद अमेरिका में रहने वाले लगभग 7,000 नेपालियों को निर्वासित होना पड़ेगा। रविवार की चार्टर्ड निर्वासन उड़ान में, लौटाए गए लोगों में से सभी ऐसे नागरिक शामिल हैं जो मानव तस्करी के जरिए मोटी रकम देकर अनियमित और खतरनाक मार्गों का उपयोग करके अमेरिका में प्रवेश किया था। नेपाल के मानव तस्करी



शाम्भवी क्रिया से नर्स ने जीवन में लाया सकारात्मक बदलाव

न्यूयार्क। इयूटी की थकान, बेचैनी और अवसाद से बाहर निकलकर लॉस एंजेलिस की एक नर्स जेनिफर कार्लसन ने नई जीवनशैली अपनाई है। इनर इंजीनियरिंग कार्यक्रम और शाम्भवी महामुद्रा क्रिया से उन्होंने अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। रात की 12-12 घंटे की इयूटी करने वाली जेनिफर की जिंदगी पहले कॉफी, सोडा और थकावट के चक्र में उलझी थी। जेनिफर बताती हैं कि कैसे वह पहले पूरी रात कॉफी और मीठे पेय पीती रहती थीं ताकि जागी रह सकें, लेकिन इसके दुष्प्रभाव उन्हें मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से तोड़ रहे थे। हर इयूटी के बाद वह थकी हुई, घबराई हुई और असंतुलित महसूस करती थीं। पर फिर उन्हें सद्गुरु द्वारा बताए गए ऐश गॉर्ड यानी सफेद पेट के बारे में याद आया, जिसे पारंपरिक रूप से शरीर को ठंडा करने और ऊर्जा बढ़ाने वाला माना जाता है। कैफीन की जगह कुछ बेहतर की तलाश में उन्होंने ऐश गॉर्ड को अपने आहार में शामिल किया। वह बताती हैं कि इसके रस से उन्हें स्थायी ऊर्जा मिलती है, घबराहट या बेचैनी नहीं होती और यह पूरी तरह स्वास्थ्यवर्धक है। उन्होंने बताया कि इयूटी के दौरान वह ऐश गॉर्ड का रस 2-3 गिलास पीती हैं, जिससे उनकी रात की शिफ्ट अब थकाने वाली नहीं लगती।



रोधी व्यूरो के अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या समूह में से कोई तस्करी नेटवर्क या श्रम शोषण का शिकार हुआ था। प्रारंभिक पृष्ठताल से पता चलता है कि निर्वासितों में से कुछ ने नेपाली करेंसी में 40 लाख रुपये से लेकर 80 लाख रुपये तक खर्च किया था। अमेरिका तक पहुंचने के लिए पहले ब्राजील, कोलंबिया और मैक्सिको जैसे

देशों के माध्यम से खतरनाक यात्रा कर अमेरिकी सीमा तक पहुंचे थे। अधिकारियों ने कहा कि सभी 37 व्यक्तियों को उनके परिवारों के साथ फिर से मिलने से पहले स्वास्थ्य जांच और सुरक्षा जांच से गुजरना होगा। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में जहां आगराधिक गतिविधि या मानव तस्करी का संदेह है, आगे की जांच शुरू की जाएगी।

चीन ने ताइवान में सैन्य घेरा बढ़ाया, सात विमान, आठ नौसैनिक जहाज भेजे



ताइवान और चीन के बीच सैन्य टकराव बढ़ता ही जा रहा है। चीन लगातार ताइवान की घेराबंदी कर रहा है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने कहा है कि आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक देश की क्षेत्रीय जल सीमा के पास चीन के सात विमानों और आठ नौसैनिक जहाजों को ट्रैक किया गया। चीन के सात में से पांच विमानों ने मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। एमएनडी ने एक्स पोस्ट में कहा कि ताइवान के आसपास संचालित पीएलए विमानों और आठ पीएलएएन जहाजों की सात उड़ानें आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक देखी गईं। सात में से पांच उड़ानें ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। ताइवान की सेना ने इस पर जवाबी प्रतिक्रिया दी। एमएनडी ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि रविवार को भी चीन के विमानों की 11 उड़ानें, सात चीनी नौसैनिक जहाजों को क्षेत्रीय जल सीमा के पास ट्रैक किया गया। 11 में से 6 उड़ानें ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। ताइवान की सेना ने निगरानी की और तदनुरूप प्रतिक्रिया दी। इससे पहले बुधवार को ताइवान के तट रक्षक प्रशासन (सीजीए) ने कहा था कि उसने चीन के तट रक्षक के चार जहाजों को खदेड़ दिया। इन जहाजों को किनमैन काउंटी के पास ताइवान-नियंत्रित जल के पास ट्रैक किया गया था।

जलता लॉस एंजिल्स नेशनल गार्ड के दो हजार सैनिकों के हवाले, स्थिति और बिगड़ी

लॉस एंजिल्स, 09 जून (एजेंसियां)।

कैलिफोर्निया का सबसे बड़ा शहर लॉस एंजिल्स ट्रंप प्रशासन के आब्रजन छापों के विरोध में जल रहा है। इसे रोकने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लॉस एंजिल्स की सड़कों पर कम से कम 2,000 नेशनल गार्ड सैनिकों को उतारा है। बावजूद इसके स्थिति और और गंभीर होती दिख रही है। लॉस एंजिल्स संयुक्त राज्य अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा शहर है।

खबर के अनुसार, लॉस एंजिल्स में शनिवार को कानून प्रवर्तन अधिकारियों का सैकड़ों प्रदर्शनकारियों से जूझना पड़ा। अधिकारियों को कुछ रबर की गोलियों, आंसू गैस और फ्लैश बैंग



ग्रेनेड का इस्तेमाल करना पड़ा। बताया गया है कि अवैध श्रमिकों की तलाश में कार्यस्थलों पर छापे मारने के बाद प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। रविवार को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन में दूसरी बार झड़प हुई।

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसन ने कहा है कि ट्रंप ने नेशनल गार्ड के जवानों को जानबूझकर भेजकर स्थिति को और बिगाड़ दिया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने बिना उनकी सहमति से ऐसा कर संघीय शक्तियों का दुरुपयोग किया है। इस

बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि आब्रजन अधिकारियों के रास्ते में आने वाले किसी भी प्रदर्शन को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ विद्रोह माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि लॉस एंजिल्स के दक्षिण में एक छोटे से शहर पैरामाउंट से शुरू यह विरोध प्रदर्शन अन्य जगहों पर फैल गया। पैरामाउंट में बड़ी संख्या में लैटिनो आबादी है। ट्रंप की आब्रजन कार्रवाई अगले साल के विश्व कप पर एक बाधा के रूप में आकार ले रही है। कुछ फुटबॉल प्रशंसक इससे भीयभीत हैं।

लॉस एंजिल्स टाइम्स अखबार के अनुसार, रविवार को कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड के सैनिक लॉस एंजिल्स पहुंचे। उन्होंने आब्रजन एजेंटों की मदद करते हुए प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। ट्रंप के लगभग 2,000 नेशनल गार्ड सैनिकों को भेजने से राज्य और स्थानीय अधिकारी भी भड़क गए हैं।

अल जजीरा की खबर के अनुसार, ट्रंप के

सख्त कदम के बाद सुरक्षा बलों ने लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन में आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां दागीं। एडवर्ड आर रॉयबल फेडरल बिल्डिंग, मेट्रोपॉलिटन डिस्टेंशन सेंटर और 101 फ्रीवे के पास तीसरे दिन भी झड़पें हुई हैं। इस बीच व्हाइट हाउस ने नेशनल गार्ड सैनिकों को तैनात करने के आदेश को रद्द करने की कैलिफोर्निया के गवर्नर की अपील को खारिज कर दिया है।

लॉस एंजिल्स में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। आब्रजन छापों के खिलाफ प्रदर्शनकारियों की तीसरे दिन भी कानून प्रवर्तन अधिकारियों के झड़पें हुई हैं। नेशनल गार्ड के सैनिकों ने कई जगह आंसू गैस का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने शहर के प्रमुख 101 फ्रीवे को अवरोध कर दिया। यहां नेशनल गार्ड के सैनिकों की जमकर झड़प हुई। लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन में अनेक स्वचालित वाहनों को फूंक दिया। पुलिस के घोड़ों को हमला निशाना बनाया गया।



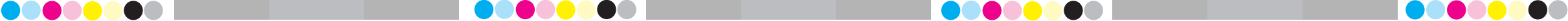
की राजधानी बैंकॉक चले गए। अब्दुल हमिद काथित तौर पर हत्या के एक मामले का सामना कर रहे हैं। यह मामला 14 जनवरी को किशोरराज सटर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। इसी मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, शेख

रेहाना, सजीब वाजेद जॉय, साइमा वाजेद पुतुल और ओबेदुल कावर का भी नाम है। हमिद ने अवामी लीग के शासन के दौरान 2013 से 2023 तक लगातार दो कार्यकाल के लिए बांग्लादेश के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हमिद थाईलैंड से इलाज करवाकर स्वदेश लौटे

ढाका, 09 जून (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हमिद थाईलैंड से इलाज करवाकर स्वदेश लौट आए। वह सोमवार आधीरात लगभग 1:30 बजे थाई एयरवेज की उड़ान (टीजी 339) से ढाका पहुंचे। औपचारिक प्रक्रिया को पूरा करने के बाद वह लगभग 2:45 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से घर के लिए रवाना हुए। खबर के अनुसार, हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्यक्रमी निदेशक गुप कैप्टन रागीब समद ने अब्दुल हमिद के स्वदेश लौटने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अब्दुल हमीद नियमित यात्री के रूप में लौटे और उन्होंने कोई विशेष प्रोटोकॉल नहीं मांगा। पिछले साल पांच अगस्त को बड़े पैमाने पर छात्र और सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना और उनकी पार्टी के पतन के बाद कई अवामी लीग के नेता देश छोड़कर भाग गए थे। हालांकि, अब्दुल हमिद बांग्लादेश में ही रहे। हमिद नौ महीने बाद चिकित्सा कारणों से थाईलैंड



नई दिल्ली। पिछले वित्त वर्ष में आय और मुनाफा नरम रहने के बावजूद भारतीय कंपनियों ने अपने शेयरधारकों को ज्यादा डिविडेंड का भुगतान किया है। देश की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025 में कुल 5 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड भुगतान किया, जो 2024 के मुकाबले 10.8 फीसदी अधिक है। इन कंपनियों का कुल मुनाफा भी वृद्धि करके 16 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। इस साल कंपनियों ने अपने शेयरधारकों को कुल 5.08 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.7 फीसदी अधिक है। परंतु सलाख भुगतान अनुपात में गिरावट आंटी की कंपनियों द्वारा पुनर्निवेश बंद करने के कारण हुई है। वित्तीयकों का कहना है कि इस वर्ष कंपनियों उच्च लाभार्थ भुगतान के माध्यम से बाजार को संतुलित रखने की कोशिश कर रही हैं। मुनाफे में कमी के बावजूद निदेशकों में बांट दिये 15 लाख करोड़ आंटी क्षेत्र में शेयर पुनर्निवेश में कमी आने के बावजूद, अपने शेयरों में कंपनियों राज्यस और मुनाफे में नरमी से समर्थन दे रही हैं। इस दशक में, कंपनियों अपने शेयरधारकों को सीधे भुगतान के माध्यम से लाभ पहुंचाने के लिए उदार रही हैं।

बैजिंग। मई महीने में चीन के निर्यात में वृद्धि दर्शाती हुई रिपोर्ट जारी की गई है। इसके विपरीत चीन का अमेरिका को निर्यात 10 प्रतिशत कम है, जैसा कि विभागीय आंकड़ों से पता चला है। चीन के निर्यात मई महीने में पिछले साल की तुलना में 4.8 प्रतिशत बढ़ गया है, जबकि चीन के आयात में 3.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इस समय चीन का अमेरिका को निर्यात 28.8 अरब डॉलर रहा है, जबकि चीन का अमेरिका से आयात 7.4 प्रतिशत घटकर 10.8 अरब डॉलर हुआ है। अप्रैल में वृद्धि के बाद, मई महीने में चीन के वैश्विक निर्यात में चीनी चीन देखने को मिल रहा है। आगामी सोमवार, जूने में चीन और अमेरिका के बीच एक वातावरण होगी, जिसमें चीनी उप-प्रधानमंत्री हुई लक्ष्मण भाग लेंगे। साथ ही अमेरिका की टीम में वित्त मंत्री स्कॉट बरेसेट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुत्तिका, और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीपर भी शामिल होंगे। पिछले हफ्ते अमेरिका की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग के बीच एक अच्छी बातचीत हुई थी। इसे एक सकारात्मक माना गया था।

प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,113.42 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,818.35 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,139.40 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 3,393.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

2.6 फीसदी थी, जबकि अप्रैल 2025 में यह 3.5 फीसदी थी। यानी हर महीने इलेक्ट्रिक कारों की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह न केवल कार बाजार में बदलाव का संकेत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि उपभोक्ता अब रेगुलर पेट्रोल-डीजल गाड़ियों की तुलना में ईवी को प्राथमिकता दे रहे हैं।

जहाज का आगमन नए बंदरगाह के लिए मील का पत्थर है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सुरक्षा प्रत्येकॉर्मों लॉन्ग-अथिथा था, ठो धोखाध्दी वालों वेबसाइट्स को रीयल-टाइम में ब्लॉक करती हैं। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का पहला ऐप है, जो हरलियाणा में शुरू किया गया है और जल्द ही इसे पूरे भारत में लागू किया जाएगा। यह प्रत्येकॉर्म क्लाउडसफ़रप्लेटफ़ॉर्म, फेसबुक, डिजिटग्राफ़ी, ईमेल, वेब ब्राउजर और एसएमएस पर जैसे कई संचार माध्यमों पर काम करता है। एप गेटलेन ने एनपीसीआई को पत्र लिखकर डिजिटल पेमेंट सिस्टम को और सुरक्षित बनाने के लिए साझेदारी का प्रस्ताव दिया है।

मुंबई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने के लिए मेटा स्कैल एआई में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रही है। यह संदेश अगर होता है, तो न केवल मेटा का अब तक का सबसे बड़ा एआई निवेश होगा, बल्कि यह एआई क्षेत्र में किसी प्राइवेट कंपनी के लिए सबसे बड़ा फंडिंग में से एक माना जाएगा। हालांकि पिछला हफ्ता डील की शर्तों पर चर्चा जारी है और इसमें बदलाव की संभावना नहीं बड़ी है। वैसे मेटा और स्कैल एआई की ओर से अब तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। स्कैल एआई की स्थापना 2016 में एलेक्जेंडर वांग ने की थी और यह कंपनी मशीन लर्निंग मॉडल्स के लिए आवश्यक डेटा को प्रोसेस और लेबल करने में विशेषज्ञता रखती है।

हाल ही में भारतीय रजर्व बैंक (आरबीआई) ने हिलने वाली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती की थी। इसके बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक जैसे कई प्रमुख बैंकों ने लोन दान में कटौती की घोषणा की। पंजाब नेशनल बैंक ने अपनी रेपो-लिंकड लेंडिंग रेट को 8.85 प्रतिशत से 8.35 प्रतिशत कर दिया, जबकि बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी लेंडिंग रेट को 8.85 प्रतिशत से 8.35 प्रतिशत किया। यूको बैंक ने अपनी एमएसएलआर को 10 आधार अंकों से कटौती की। इन बदलावों से होम और पर्सनल लोनों में क़िफायती होगी। इस नयी देय दर के साथ, ग्राहकों को और भी अधिक अनुकूल लोन व्यवस्था मिलेगी और इसका सीधा रूपाभाविक प्रगतिश, अर्थ व्यवस्था में और गति देगा। यह सर्वाक प्रतिष्ठानों और लोगों के अर्थ समृद्धि में सुधार लाएगा।

लाइबेरियाई झंडे के नीचे चलने वाला यह जहाज 26 स्तरों तक ऊंचे कंटेनरों को ढेर करने के

उल्लेखनीय है कि एमएससी इरिना जहाज का यह स्मारकीय आगमन विज्ञानजाम बंदरगाह के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिसे 2 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया था।

गवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05:23 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 07 : 19 मिनट पर
चंद्रोदय– रात 07: 42 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04: 02 मिनट से 04 बजकर 42 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 40 मिनट से 03 बजकर 36 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 07 बजकर 18 मिनट से 07 बजकर 38 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 12 : 01 मिनट से

व्रत के दिन किसी का अपमान न करें, झूठ न बोलें और झगड़े से बचें।
इसके अलावा वट वृक्ष को किसी भी तरह से नुकसान न पहुंचाएं।

न रेखा, न जया अमिताभ बच्चन के लिए रात को उठ उठकर रोती थी परवीन बाबी, कभी नहीं मिला प्यार!



अमिताभ बच्चन से जुड़े किस्से आज भी सोशल मीडिया पर हर कोई पढ़ता है। उनकी लव लाइफ खूब सुर्खियों में रही थी। लेकिन अगर आपको लगता है कि उनके लिए रात को उठकर रेखा रोती थी, तो आप गलत हैं। यहां तक कि वो एक्ट्रेस जया बच्चन भी नहीं हैं। बल्कि कोई और है। कौन किसे डेट कर रहा था, किसका रिश्ता अधूरा रह गया... बॉलीवुड की ऐसी खबरें लोग खूब चटकारें लेकर पढ़ते हैं। बॉलीवुड के ऐसे कई नामी एक्टर्स हैं, जिनकी लव लाइफ चर्चा में रही है। आज भी उनके किस्से सोशल मीडिया पर खूब पढ़े जाते हैं। इनमें से एक हैं अमिताभ बच्चन, रेखा और जया। लेकिन क्या आप उस एक्ट्रेस को जानते हैं, जो बिग बी के लिए आधी रात को उठकर रोती थी?

अमिताभ बच्चन के लिए आधी रात को उठ-उठकर रोने वाली एक्ट्रेस रेखा नहीं है। न ही यह जया बच्चन हैं। इस एक्ट्रेस की हालत देखकर महेश भट्ट ने अमिताभ बच्चन से मिलने का फैसला कर लिया था। वो अपना अहंकार छोड़ एक्टर के पास पहुंचे थे। दरअसल यह एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि परवीन बाबी हैं। और यह किस्सा साल 1980 में आई फिल्म 'दोस्ताना' का है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस पिक्चर की शूटिंग के दौरान बेंगलुरु में एक्ट्रेस का इलाज चल रहा था। उन्हें 'सिजोफ्रेनिया' नाम की



मानसिक बीमारी थी। जब परवीन बाबी इस फिल्म के शूट में थीं, उस दौरान कई मेडिकल इश्यू का उन्हें सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में वो आधी रात में उठकर अमिताभ बच्चन के लिए जोर-जोर से रोने लगती थीं। ऐसे में महेश भट्ट ने अमिताभ बच्चन से मिलने का फैसला कर लिया और फिल्म के सेट पर पहुंच गए। महेश भट्ट ने बिग बी से रिक्वेस्ट की थी कि वो एक्ट्रेस के साथ अच्छे से पेश आए और उनकी ध्यान भी रखे। वो काफी परेशानी से गुजर रही थीं। हालांकि, जहां अमिताभ बच्चन ने वादा किया कि वो रेखा को ध्यान रखेंगे। तो रिपोर्ट्स में रेखा भी कहा जाता है कि बिग बी ने भी महेश भट्ट को परवीन का ध्यान रखने के लिए कहा था। महेश भट्ट उनकी बात सुनकर काफी नाराज भी हो गए थे। उन्हें लगता था कि एक्टर सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं। उस वक्त एक्ट्रेस का नाम महेश भट्ट से काफी जोड़ा जाता था। परवीन बाबी का डैनी डेन्जोंगपा और कबीर बेदी के साथ रिश्ता रहा है। इसके बाद शादीशुदा महेश भट्ट के साथ लव अफेयर की खबरें आईं। लेकिन 1980 में दोनों का रिश्ता टूट गया। अपनी पूरी जिंदगी में एक्ट्रेस प्यार की तलाश करती रहीं, लेकिन सच्चा प्यार नसीब नहीं हुआ। 20 जनवरी 2005 को दुनिया को अलविदा कह दिया था।



किलर मास्क पहन रिपोर्टर बने अक्षय कुमार, दर्शकों से जाना फिल्म हाउसफुल 5 का हाल



बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 रिलीज हुई। फिल्म के बारे में दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए बेचैन अक्षय कुमार ने एक अनोखा तरीका अपनाया। वह फिल्म में दिखाए किलर मास्क को पहनकर लोगों के बीच पहुंचे और दर्शकों से उनकी राय जानी। इसका वीडियो अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें वह एक सिनेमा हॉल के बाहर 'किलर मास्क' में दिखाई दे रहे हैं। वह फिल्म देखकर निकले दर्शकों से पूछ रहे हैं कि उन्हें 'हाउसफुल 5' कैसी लगी।

चूंकि एक्टर के चेहरे पर मास्क था, इसलिए दर्शक उन्हें पहचान नहीं पाए और अपनी राय दी। कई लोगों ने फिल्म की तारीफ की और कहा कि उन्हें 'हाउसफुल 5' बेहद पसंद आई। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, बस यू ही मैंने सोचा कि किलर मास्क पहनकर 'हाउसफुल 5' का शो देखकर निकलने वाले लोगों का इंटरव्यू लूं। आखिर मैं पकड़ा जाने वाला था, लेकिन उससे पहले भाग गया। मस्त एक्सपीरियंस था।

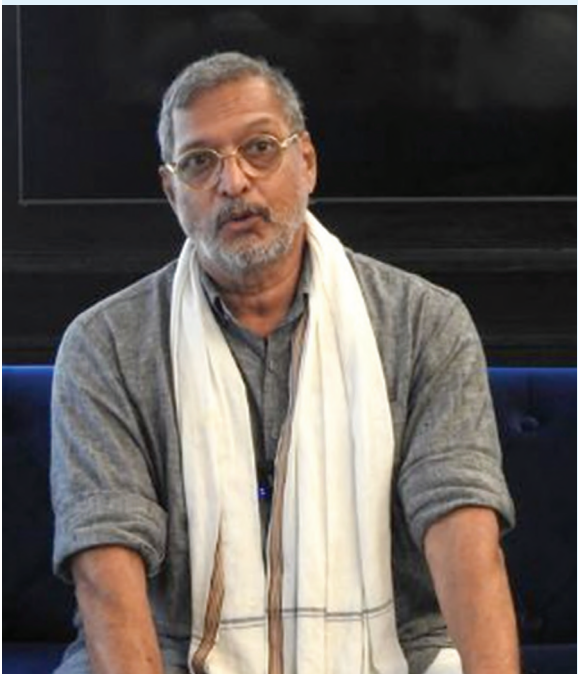
इस वीडियो पर फैंस ने मजेदार कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा, कोई पहचान भी नहीं पा रहा। क्रेजी पाजी!

अन्य यूजर ने लिखा, मैं तो इंतजार कर रहा था कि ये मास्क उतारें, जैसे हॉलीवुड स्टार रॉबर्ट डाउनी जूनियर करते हैं।

'हाउसफुल 5' फिल्म में कई जाने-माने सितारे हैं। इनमें संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकारों की धमाकेदार टीम है। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी ने डायरेक्ट किया है और साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है।

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2010 में हुई थी। इसका सीकल साल 2012 में रिलीज हुआ, जिसे साजिद खान ने डायरेक्ट किया था। वहीं इसका तीसरा पार्ट साल 2016 में रिलीज किया गया। इसे साजिद और फरहाद की जोड़ी ने मिलकर डायरेक्ट किया। वहीं चौथा पार्ट साल 2019 में रिलीज हुआ। इसे फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया था। अब इसका पांचवां पार्ट रिलीज किया गया है।

मायानगरी को छोड़ क्यों गांव में बस गए नाना पाटेकर, अभिनेता ने अमिताभ बच्चन को बताई वजह



दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर किज आधारित रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति 17 में बतौर गेस्ट बनकर पहुंचे और हॉट सीट पर बैठे। इस दौरान उन्होंने अपने गांव लौटने और मायानगरी मुंबई से दूर रहने की वजह का खुलासा किया। शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने नाना पाटेकर से सवाल पूछा, आपने जीवन में इतना कुछ हासिल किया, फिर सब कुछ छोड़कर गांव क्यों चले गए? इस पर अपने दिल की बात साझा करते हुए नाना पाटेकर ने सादगी से जवाब देते हुए कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हूँ। मैं बस यहां काम करने आता हूँ और फिर वापस चला जाता हूँ। मैं कभी किसी पार्टी में नहीं गया, न ही शहर में ज्यादा रुका। मैं गांव का हूँ और वहीं रहना पसंद करता हूँ। मुझे वहां की जिंदगी अच्छी लगती है।

नाना ने भावुक होकर कहा, मुझे अपनी मां से जितना चाहिए था, उससे कई गुना ज्यादा मिला है। जरूरतें सीमित रखना बहुत आसान है। मेरे पास ऐसी नहीं है, क्योंकि मुझे उसकी जरूरत नहीं लगती। जैसे शहर में चारों तरफ दीवारें होती हैं, वैसे ही मेरे घर के चारों ओर पहाड़ हैं। पहाड़ों से घिरा हुआ मेरा घर है, और मैं वहीं आराम से रहता हूँ। मुझे यह बहुत अच्छा लगता है।

एपिसोड में नाना पाटेकर ने अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की भी जमकर तारीफ की। शो में एक दर्शक ने जब नाना से पूछा कि फिल्म 'वजूद' में माधुरी दीक्षित के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा? तो उन्होंने कहा, माधुरी दीक्षित के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, खूबसूरत हैं, कमाल की डांसर हैं, और उनमें वह सब कुछ है जो हर इंसान में होना चाहिए। मैं उन्हें बेहद सम्मान की नजरों से देखता हूँ। शो में आगे दर्शकों ने नाना पाटेकर से फिल्म 'वजूद' में माधुरी दीक्षित को सुनाई कविता 'कैसे बताऊं मैं तुम्हें' से जुड़ा सवाल भी किया। इस पर मुस्कराते हुए एक्टर ने जवाब दिया, वह कविता जावेद अख्तर साहब ने लिखी थी। उस फिल्म को लगभग 30-35 साल हो गए हैं, लेकिन यह कविता आज भी मुझे याद है। मैंने यह कविता माधुरी को सुनाई थी, इसलिए यह मेरे लिए भूलना मुश्किल है। आज भी ऐसा लगता है जैसे वह कविता मेरे खून में दौड़ रही हो। जब भी कोई मुझसे उस कविता के बारे में पूछता है, तो काफी सारी यादें दिल में ताजा हो जाती हैं। नाना पाटेकर शो में एक्टर उत्कर्ष शर्मा, एक्ट्रेस सिमरत कौर और लेखक-निर्देशक अनिल शर्मा के साथ आए थे।



प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती और पति संग बिताए खुशनुमा पल, दिखा खास अंदाज

ग्लोबल आइकन और फिल्म स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपने इंस्टाग्राम पर परिवार संग बिताए खूबसूरत पलों को शेयर किया। जिसमें पति निक जोनास, बेटी मालती मैरी और कुछ दोस्त नजर आ रहे हैं। पोस्ट की तस्वीर में प्रियंका अपने पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास के साथ सुहावने मौसम का आनंद ले रही हैं। वह एक रेस्तरां में बैठकर पति संग बेवरेज का लुप्त उठा रही हैं। वहीं एक और दिल छू लेने वाली तस्वीर में निक एक तरफ अपनी पत्नी प्रियंका और दूसरी तरफ बेटी मालती का हाथ पकड़े हुए सैर करते दिख रहे हैं। अन्य तस्वीरों में प्रियंका अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं। इसमें उनकी खूबसूरत सेल्फी भी शामिल है।

इन झलकियों को उन्होंने सिर्फ एक लफ्ज से परिभाषित किया है और वह है 'मे'। इससे स्पष्ट है कि ये मई महीने में परिवार और खास दोस्तों संग बिताए पलों की श्रृंखला है। इस पोस्ट में बेटी मालती की भी तस्वीरों में



झलक देखने को मिली। एक फोटो में वह अपनी आंखों का मेकअप करती दिख रही हैं, तो दूसरी फोटो में वह गलियों में अपने दोस्तों संग खेलती दिखाई दे रही हैं। मालती की मासूमियत और चुलबुलापन सभी का दिल जीत रहा है। इन

तस्वीरों से साफ पता चलता है कि प्रियंका ने मई का महीना अपनी के साथ हंसी-खुशी में बिताया।

वीडियो की बात करें तो इसमें प्रियंका मालती को गोद में लेकर उससे बातें करती नजर आती हैं। मां-बेटी के इस खास पल को देखने के बाद फैंस कमेंट्स के जरिए ढेर सारा प्यार बरसा रहे हैं। एक्ट्रेस की इस पोस्ट को खूब पसंद किया गया।

एक फैन ने लिखा, 'परफेक्ट मां और पत्नी'

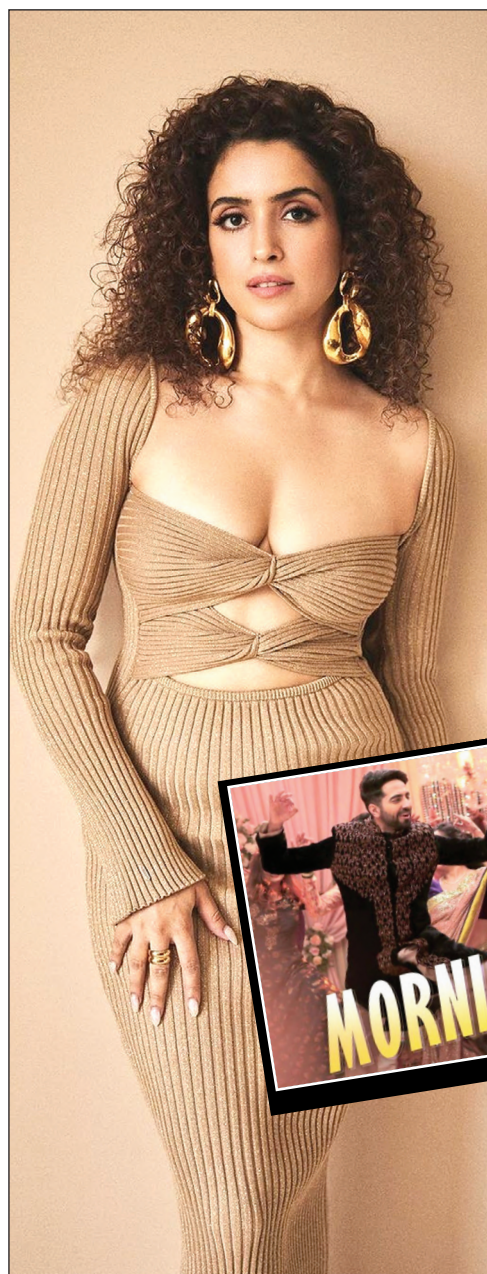
वहीं दूसरे फैन ने लिखा- 'लैमरस लाइफस्टाइल'

अन्य फैन ने लिखा- 'प्रियंका जैसा कोई नहीं'

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा को कई साल से किसी बॉलीवुड फिल्म में नहीं देखा गया है। वह आखिरी बार साल 2016 में

रिलीज हुई फिल्म 'स्काई इज पिंक' में नजर आई थीं। लेकिन खबर है कि उनके पास 'बाहुबली 2' के डायरेक्टर एस.एस. राजामौली की अनटाइटल फिल्म 'एसएसएमबी 29' है। इस फिल्म में वह टॉलीवुड स्टार महेश बाबू के साथ काम करेंगी।

फिल्म बधाई हो में गीत मोरनी बनके की शूटिंग के दौरान चोटिल थीं सान्या मल्होत्रा



अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'बधाई हो' को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म के गाने 'मोरनी बनके' की शूटिंग के दौरान वह चोटिल थीं। सान्या मल्होत्रा ने बताया कि इस गाने की शूटिंग के समय वह चोटिल थीं, उन्हें टांके लगे थे, और उनकी चोट ताजा थी। यह बात सान्या ने मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान के साथ उनके यूट्यूब ब्लॉग में बातचीत के दौरान साझा की।

ब्लॉग वीडियो में सान्या मल्होत्रा, फराह खान के साथ बुरिटो बाउल डिश का लुप्त उठाती और अपनी फिल्मी यात्रा पर चर्चा करती नजर आईं। 'मोरनी बनके' गाने की शूटिंग का जिक्र करते हुए सान्या ने बताया कि वह फिल्म 'पटाखा' की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गई थीं। उनकी बांह पर टांके लगे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 'मोरनी बनके' की शूटिंग की।

सान्या ने हंसते हुए बताया, यही नहीं, मैं दोबारा गिर गई थी। 'बधाई हो' के गाने की शूटिंग के लिए फर्श को तेल से चमकाया गया था ताकि वह स्लमकदार दिखे। मैं चल रही थी और जैसे ही गाने की लाइन आई, 'कैटवॉक वाली' वाली है तेरी चाल' पर स्टेप के दौरान मैं फिसल गई। मैंने इस मजेदार पल का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें मैं फिसलने के बाद हंस रही थी। फराह ने मजाक में कहा कि जिस फिल्म में हीरोइन गिरती है, वह हिट हो जाती है। उन्होंने 'कल हो ना हो' के एक

सीन का उदाहरण भी दिया। फराह ने सान्या की 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'मिसेज' और उनके अब तक के करियर के बारे में भी पूछा। सान्या ने बताया कि उन्होंने 9 साल में 14-15 फिल्मों की हैं। फराह ने पूछा कि क्या सान्या ने कभी एक्टिंग स्कूल या क्लासेज की? तो सान्या ने जवाब दिया कि वह ऑडिशन के जरिए इंडस्ट्री में आई और उनकी पहली मुलाकात फराह से ही हुई थी।

सोनाक्षी सिन्हा की अश्विनी अय्यर तिवारी की फिल्म में एंट्री

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछले साल रितेश देशमुख संग फिल्म काकुड़ा में दिखी थीं। एक ओर जहां वह फिल्म निकिता रॉय को लेकर चर्चा में हैं, वहीं अब उनकी नई फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है। खबर है कि सोनाक्षी निर्देशक अश्विन अय्यर तिवारी की अगली फिल्म में नजर आने वाली हैं। हालांकि, यह फिल्म काफी समय से चर्चा में थी, लेकिन इससे जुड़ी कुछ खास जानकारीयों सामने नहीं आई थीं। आइए जानें फिल्म पर क्या है नया अपडेट। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनाक्षी और ज्योतिका इस फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगी। यह पहला मौका होगा, जब दोनों अभिनेत्रियां पर्दे पर साथ दिखेंगी। खास बात यह है कि फिल्म में उनके बीच जबर्दस्त टक्कर देखने को मिलेगी। पिछले 2 साल से चर्चा में बनी हुई इस फिल्म के कलाकार अब जाकर फाइनल हुए हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। इस कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म में सोनाक्षी और ज्योतिका एक-दूसरे के आमने-सामने होंगी। ये वही फिल्म है, जिसमें पहले करीना कपूर और कियारा आडवाणी को कास्ट किया गया था, लेकिन कुछ कारणों से इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ बात नहीं



बन पाई, जिसके बाद फिल्म में सोनाक्षी और ज्योतिका को साइन किया गया। इस साल की शुरुआत में अश्विन ने इस फिल्म पर नए सिरे से काम करना शुरू किया। पिछले हफ्ते ही फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। सोनाक्षी और ज्योतिका दोनों ही फिल्म में वकील की भूमिका निभाने वाली हैं। फरहाद अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट और हरमन बावेजा की प्रोडक्शन कंपनी बावेजा स्टूडियो के बैनर तले बन रही इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। एक कानूनी मामले के इर्द-गिर्द बुनी गई इस फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक खत्म हो जाएगी।

पत्र का जवाब नहीं मिलने पर

सीएम नीतीश कुमार पर तेजस्वी यादव ने जमकर हमला बोला

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आरक्षण के मुद्दे पर नीतीश सरकार को घेरने में लगे हुए हैं। उन्होंने पांच जून को सीएम नीतीश कुमार को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने वंचित वर्गों के लिए आरक्षण सीमा को बढ़ाकर 85 प्रतिशत करने की मांग की थी। इस पत्र का जवाब जब नहीं मिला तो तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा और अपने पत्र का जवाब नहीं मिलने का कारण बताते हुए सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला।

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर आर-पे लगाया कि सामाजिक न्याय



का ढोल पीटने वाले ऐसे दल जिनके बलबूते मोदी सरकार चल रही है वो हमारी सरकार द्वारा बढ़ाई गयी 65% आरक्षण सीमा को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने में असफल क्यों है? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, उषेंद्र कुशवाहा

गठबंधन में रहना धिक्कार है। अगर नीतीश जी, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के सामने इस विषय पर कुछ बोलने में असमर्थ हैं तो उन्हें विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाना चाहिए फिर देखिए कैसे हम इसे लागू कराते हैं।

तेजस्वी यादव ने लिखा कि सर्वदलीय समिति द्वारा किए गए अध्ययन के आलोक में बिहार विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाकर एक नया आरक्षण विधेयक पारित करा कुल 85 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान कर इसे 9वीं अनुसूची में डालने की अनुसंधान केन्द्र सरकार से की जाए ताकि आरक्षण विरोधी तत्वों एवं भाजपाई सरकार को इसे भी विभिन्न माध्यमों से पुनः रद्द कराने

का मौका न मिल सके। नेता प्रतिपक्ष ने पूछा कि क्या भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की नीतियों पर चल रही यह एनडीए सरकार नहीं चाहती कि वंचित वर्गों के आरक्षण की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 85 प्रतिशत किया जाए जिससे कि राज्य के दलित-आदिवासी, पिछड़ा अति पिछड़ा एवं अन्य दबे-कुचले लोगों को बड़े हुए आरक्षण का यथाशीघ्र लाभ मिले तथा उन्हें शिक्षण संस्थानों में नामांकन के साथ-साथ सरकारी नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिल सके। तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर आरोप लगाया कि आप और आपकी सरकार जान-बूझकर इस मामले को लटका और भटका रही है।

बीडीओ को 20 हजार घूस लेते निगरानी ने किया गिरफ्तार

आवास योजना का लाभ देने के लिए मांगी थी रिश्त

पटना (एजेंसियां)।

वैशाली जिला में निगरानी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। लालगंज प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी को टीम ने 20 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि बीडीओ नीलम कुमार ने आवास योजना के नाम पर रिश्त मांगी थी।

पीड़ित ने इसकी शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में की थी। इसी शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई हुई। इधर, बीडीओ की गिरफ्तारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। निगरानी की टीम नीलम कुमारी को लेकर पटना रवाना हो गई।

बताया जा रहा है कि बीडीओ नीलम कुमार ने आवास योजना का लाभ देने के एवज में रिश्त मांगी थी। पीड़ित ने रकम देने से



इनकार कर दिया। पीड़ित ने इसकी शिकायत निगरानी में की। निगरानी की टीम ने पहले शिकायत की जांच करवाई। मामला सही पाया गया। इसके बाद डीएसपी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

सोमवार को निगरानी विभाग की अलग-अलग टीम लालगंज प्रखंड में पहुंची। इसके बाद बीडीओ नीलम कुमारी के आवास और कार्यालय में जाल बिछाया। इसके बाद जैसे ही पीड़ित ने रिश्त के नाम पर 20 हजार की रकम

आरोपी बीडीओ ने अपने ड्राइवर के जरिए लिया, वैसे ही निगरानी के अधिकारियों ने उसे और उसके ड्राइवर दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद नीलम कुमारी और उसके ड्राइवर को आगे की पूछताछ के लिए पटना ले जाया गया। मामले में डीएसपी ने बताया कि बीडीओ नीलम कुमारी के खिलाफ एक आवेदन प्राप्त हुआ था, जिसमें रिश्त मांगने की जानकारी दी गई थी। जांच के बाद मामला सही पाया गया। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

16 साल की लड़की की निर्मम हत्या, गन्ने के खेत में शव देखकर इलाके में हड़कंप

पटना (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के बलुआ टोला गांव में एक 16 वर्षीय किशोरी की गला दबाकर निर्मम हत्या कर दी गई, और उसका शव गांव के पास ही एक गन्ने के खेत से बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृत किशोरी जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के बलुआ टोला की रहने वाली थी। बताया जाता है कि लड़की रविवार की देर शाम खाना खाकर घर से कहीं निकली थी। देर रात तक वह वापस घर नहीं पहुंची, जिसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका।



सोमवार की सुबह भी ग्रामीण खेतों की ओर गए तो उन्होंने उसके घर से महज तीन सौ मीटर दूर गन्ने के खेत में लड़की का शव देखा। इसके बाद ग्रामीण शोर मचाने लगे। सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। कुछ देर बाद मृतका के परिजन भी पहुंचे। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर जादोपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया, जहां शव को सौंप दिया गया।

इस मामले में जादोपुर थानाध्यक्ष मोहन कुमार निराला ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत होता है कि किशोरी की गला दबाकर हत्या की गई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल, तीन-चार लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

अपराध नियंत्रण के लिए बनाई गई क्रिक मोबाइल टीम, 124 टीम लगातार करेगी गश्ती

पटना (एजेंसियां)।

बढ़ते अपराध को नियंत्रण करने के लिए पटना पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। अब पटना के 31 थाना इलाकों में चौबीसों घंटे क्रिक मोबाइल की टीम गश्त लगाएगी। पटना एसएसपी अवकाश कुमार ने कहा 124 क्रिक मोबाइल टीमों का गठबंधन किया है। ऐसा अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया गया है। टीम को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वह अपने क्षेत्र में बैंकों, पेट्रोल पंपों, ज्वेलरी दुकानों के आसपास लगातार सक्रिय रहें।

पटना के 31 थानों में क्रिक रिस्पांस सर्विस की टीम गई है। पटना एसएसपी ने हर थाने को



चार-चार बाइक दिया है। एक बाइक पर दो पुलिसकर्मी रहेंगे। इसमें एक दरोगा और एक सिपाही रहेंगे। यह सेवा डायल 112 की तर्ज पर ही काम करेगी। हर बाइक में जीपीएस और वायरलेस सेट होगा। गश्ती के दौरान अपराधी या किसी तरह तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर यह टीम कार्रवाई

करेगी। क्रिक रिस्पांस टीम तीन शिफ्टों में काम करेगी। इसके तहत एक टीम सुबह पांच से नौ बजे तक काम करेगी। वहीं दूसरी सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक और तीसरी टीम शाम चार से रात दस बजे तक और चौथी टीम रात दस से सुबह चार बजे तक अपने-

अपने थाना क्षेत्र में सक्रिय रहेगी। एसएसपी अवकाश कुमार ने क्रिक रिस्पांस टीम को अपने टैब को हमेशा ऑन रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि इस टीम में शामिल पुलिसकर्मी अपने मोबाइल में जिले के सक्रिय अपराधियों का फोटो, नाम, मोबाइल नंबर आदि रखेंगे। यदि कोई संदिग्ध मिलता है, तो उसका सत्यापन करेंगे।

इधर, पटना की सड़कों पर डीजीपी विनय कुमार के अगुवाई में पटना आईजी गरिमा मालिक सहित एसएसपी अवकाश कुमार, सिटी एसपी मध्य स्वीटी सेहरावत, एसडीपीओ विधि व्यवस्था नीतीश चन्द्र धारियां ने गुरुवार रात

कोवाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक युवक को पुलिस ने शराब की बोतल के साथ हिरासत में लिया। दरअसल, पटना जिले में रात्रि के आठ बजे से बारह बजे तक अभियान को धार देने की कवायद जारी है। हर दिन चार घंटे तक चलने वाले इस अभियान के तहत कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से शहर के अलग-अलग इलाकों में सघन तलाशी ली जा रही है। पटना एसएसपी ने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

500 साल पुराने पेड़ में दिखी नाग बाबा की आकृति, ग्रामीण बोले-

दैवीय कृपा, शुरू हुआ पूजा-पाठ

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

जिले के कांटी प्रखंड में एक पुराने पेड़ की जड़ से निकली अनोखी आकृति ने पूरे इलाके में कौतूहल का माहौल बना दिया है। कांटी स्टेशन के पास स्थित इस पेड़ में नाग बाबा जैसी आकृति उभरने के बाद से ग्रामीणों का तांता लगा गया है। लोग इसे दैवीय कृपा मानते हुए पूजा-पाठ में जुट गए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार यह आकृति एकदम नाग देवता जैसी प्रतीत हो रही है और यह घटना शुभ संकेत मानी जा रही है। जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में



महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवक दर्शन के लिए ब्रह्म स्थान पर पहुंचने लगे। लोगों का कहना है कि यह पेड़ करीब 500 वर्ष

ने बताया कि यह हमारे गांव के लिए एक चमत्कार है। ऐसी आकृति कभी नहीं देखी गई। हम सभी इसे दैवीय संदेश मानते हैं और यहां पूजा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले कुदनी प्रखंड के छाजन गांव में भी एक पेड़ पर कमल के फूल जैसी आकृतियां दिखाई दी थीं, जिसके बाद वहां भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। बहरहाल कांटी क्षेत्र का यह स्थान चर्चा का केंद्र बना हुआ है, जहां दिनभर ग्रामीण श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

पुराना है और पूर्व में भी यहां नाग बाबा के दर्शन होने की कथाएं प्रचलित रही हैं। स्थानीय निवासी संतोष कुमार

पटना में दिनदहाड़े मां-बेटी की हत्या, पिता की हालत गंभीर

पुरानी रंजिश में अपराधियों ने की गोलीबारी

पटना (एजेंसियां)।

पटना में दिनदहाड़े दंपती समेत तीन को अपराधियों ने गोली मार दी। इसमें मां-बेटी की मौत की मौत हो गई है।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। घटना पटना सिटी आलमगंज थाना क्षेत्र के न्यू अरफाबाद कॉलोनी में हुई।

परिजनों का कहना है कि



सोमवार सुबह अपराधियों ने पुरानी रंजिश को लेकर में ताबड़तोड़ गोलीबारी की। इसमें मां बेटी सहित तीन लोग जख्मी हो गए। परिजनों ने आननफानन में घायलों को नालंदा मेडिकल

हुई है। वहीं उनके पति घनंजय मेहता का इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंचे एसपी अतु-लेश झा ने बताया कि पुरानी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। घायल का इलाज चल रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। घटना के बाद परिवार के लोग कुछ भी लोग नहीं बोल रहे हैं। वहीं थानाध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि जख्मी के बयान के बाद मामला स्पष्ट होगा। पुलिस आसपास के सीसीटी फुटेज को खंगाल रही है। आसपास के लोगों ने बताया कि जख्मी महिला अस्पताल से रिटायर्ड नर्स और उसकी बेटी है।

पीएमजीएसवाय योजना के तहत गयाजी और भागलपुर मेडिकल कॉलेज का हुआ कार्याकल्प

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के सबसे पुराने अस्प-तालों में एक पीएमजीएस (पटना मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल) के कार्याकल्प का कार्य तकरीबन पूरा हो गया है। इसका सिविल या आधारभूत संरचना से संबंधित कार्य 90 फीसदी से अधिक पूरा हो चुका है। शेष कार्य आने वाले कुछ महीनों में पूरे हो जाएंगे। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाय) के अंतर्गत पीएमजीएस के कार्याकल्प की प्रक्रिया चल रही है। इस योजना में दो अन्य भागलपुर और गया मेडिकल कॉलेज के कार्याकल्प की प्रक्रिया पूरी हो गई है। तीनों

अस्पतालों को अपग्रेड करने से संबंधित यह कवायद प्रधानमंत्री के स्तर से बिहार को दिए गए विशेष पैकेज का ही हिस्सा है। इसे लेकर हाल में मुख्य सचिव और विकास आयुक्त के स्तर पर हुई समीक्षा बैठक में पीएम पैकेज के क्रियान्वयन से संबंधित स्थिति सामने आई। भागलपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और गया स्थित अनुग्रह नारायण मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल को 200-200 करोड़ रुपये खर्च करके अपग्रेड कर लिया गया है। इन दोनों मेडिकल कॉलेज नए कलेवर में दिखने लगे हैं। इनका उद्घाटन

भी केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने पिछले वर्ष सितंबर में कर दिया है। वहीं, पीएमजीएस को अपग्रेड करने की कवायद अंतिम चरण में है। इस पर भी 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। हालांकि इसके भवन समेत अन्य जरूरी चीजों का उद्घाटन होने के साथ ही इसे चालू कर दिया गया है।

बिहार की ग्रामीण अंचलों में सड़कों को सुदृढ़ करने के लिए पीएमजीएसवाय (प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना) में 22 हजार 500 किमी सड़कों का नेटवर्क तैयार करने का लक्ष्य रखा



गया था। परंतु इससे कहीं ज्यादा दो हजार 864 किमी लंबी सड़क तैयार हो गई है। इस पर 18 हजार 909 करोड़ रुपये का खर्च आया है, जिसमें केंद्रीय हिस्सेदारी 11 हजार 474 करोड़ रुपये तथा राज्य की हिस्सेदारी आठ हजार 706 करोड़ रुपये है। पीएम पैकेज में पेट्रोलियम एवं

क्षमता का विस्तार कार्य तेजी से चल रहा है। 14 हजार 810 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट के अगस्त 2026 तक पूरा होने की संभावना है। अब तक आईओ-सीएल के अंतर्गत तीन प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं, जिनकी लागत चार हजार 369 करोड़ रुपये है। इसमें बरौनी रिफाइनरी में 1500 करोड़ रुपये की लागत से बीएस-4 एवं बीएस-6 स्तर के इंधन का शोधन संयंत्र का निर्माण। मोतिहारी से अमलेखगंज के बीच 324 करोड़ रुपये की लागत से पाइपलाइन निर्माण। पारादीप हल्दिया से दुर्गापुर के बीच दो हजार 545 करोड़ रुपये की लागत से एलप-

ीजी पाइपलाइन का एक्सटेंशन कार्य संपन्न। इसी तरह एचपी-सीएल के चार प्रोजेक्ट भी पूरे हुए हैं, जिनकी लागत 176 करोड़ रुपये है। पटना स्थित एलपीजी प्लांट पर 45 करोड़ रुपये खर्च करके इसकी क्षमता दोगुणी की गई। इसी प्लांट में 15 करोड़ रुपये खर्च करके 1.5 टन का अतिरिक्त भंडारण क्षमता विकसित किया गया है। पूर्णिया के एलप-ीजी प्लांट को भी अपग्रेड करते हुए क्षमता को दोगुणी कर दी गई है। मुजफ्फरपुर के सगौली में 110 करोड़ की लागत से नया एलप-ीजी संयंत्र बनाया गया। गेल के अंतर्गत दो हजार 300 करोड़

रुपये खर्च करके 617 किमी लंबी जगदीशपुर-हल्दिया पाइपलाइन तैयार की गई है। बोधगया में आईआईएम और भागलपुर में केंद्रीय विश्वविद्यालय इसी प्रोजेक्ट के हिस्से हैं। बोधगया में आईआईएम 543 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हो गया है। इस संस्थान से पठन-पाठन भी शुरू हो गया है। वहीं, भागलपुर के ऐतिहासिक स्थल विक्रमशीला के पास विक्रमशीला केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की कवायद तेजी से चल रही है। इसका डीपीआर नई दिल्ली स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर ने तैयार कर दिया है।